04 - इंदौर में 'नोटा' बना कांग्रेस का उम्मीदवार

05 - अक्षय से आनंद

06- राष्ट्रीय लोक अदालत 11 मई कोः विधिक अध्यक्ष श्री प्राण

07- वीडी शर्मा ने उज्जैन में किया मतदाता पर्ची का वितरण

A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 10 मई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 202 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

चुनाव में भाजपा की सीटें घटीं तो मोदी की स्थिति क्या होगी ?

एन.के. सिंह

मोदी मॉडल शेर की सवारी है। जनमत के सैलाब में इस शेर पर बैठ तो सकते हैं पर उतरने पर शेर द्वारा हजम किये जाने का डर होता है। इसलिए सत्ता सर्वाइवल की पूर्व-शर्त बन जाती है।

वर्तमान आम-चुनाव के परिणाम को लेकर हम विश्लेषकों को सत्ताधारी दल- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)- का मर्सिया पढ़ने का फिलहाल कोई कारण नहीं है। जैसे फ़िल्म में हीरो ने कहा था 'मेरे पास मां है', भाजपा भी कह सकती है 'मेरे पास मोदी है,' गवर्नेंस का 'मोदी-मॉडल' है। 'अगली सरकार किसकी' के मिलियन डॉलर प्रश्न का जवाब इसी परिप्रेक्ष्य में देखना होगा।

लेकिन भाजपा के पास इतना सब होने के बाद भी शायद सत्ता में फिर आना इतना आसान नहीं होगा। इस चुनाव में मतदान प्रतिशत का लगातार कम होना, वह भी उत्तर भारत के भाजपा-शासित राज्यों में और खासकर गुजरात जैसे राज्य में कम होना कुछ गहरा संकेत देता है। पिछले चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर जिन तीन वोटरों ने मत डाले उनमें से केवल एक ने भाजपा के मोदी को दिया, बाकी दो ने अन्य दलों को दिया। गुजरात में तो हर तीन में दो वोटर्स ने मोदी को वोट दिया। इसका सीधा मतलब यह है कि इन दो वोटरों ने यह जानते हुए भी कि मोदी की सत्ता फिर आयेगी, अपना मत मोदी के खिलाफ दिया। फिर आज कोई कारण नहीं कि वो मतदान करने नहीं जायेंगे और मोदी के खिलाफ वोट नहीं करेंगे। लिहाजा लो-टर्नआउट वोटर्स में मोदी के प्रति उदासीनता दिखती है, वोटर्स की नाराज़गी के संकेत मिलते हैं। वैसे भी उत्तर भारत के इन राज्यों में भाजपा को शत-प्रतिशत या अधिकतम सीटें मिली थीं लिहाज़ा उससे बढ़ने का कोई सवाल भी नहीं उठाता।

भाजपा की सीटें पिछले चुनाव की 303 सीटों के मुक़ाबले घटेंगी, यह तो दिखाई दे रहा है और इसके साथ यह भी कि ऐसा हुआ तो इसका सीधा मतलब होगा कि मोदी के इकबाल में कमी आयी है। लेकिन यह इकबाल कितना घटा है, यह तथ्य मोदी का हीं नहीं, भाजपा का और देश का भविष्य तय करेगा।

यहां एक बात और साफ़ करनी होगी। मोदी-शासन काल में जिस तरह मूल्यों, क़ानूनों और संविधान की धज्जियां उड़ाई गयी हैं उसे देखते हुए 230 सीटें भी आयीं तो मोदी सत्ता में रहेंगे। कुछ छोटी-छोटी पार्टियों को तोड़ कर, कुछ ईडी-सीबीआई-आईटी की मेहरबानी से। और इससे कम आना संभव नहीं है।

यहीं से असली विश्लेषण की ज़रूरत होगी। भाजपा अगर 300-310 सीटें पाती है तो यह साफ़ हो जाएगा कि मोदी का इकबाल यानी लोकप्रियता जारी है। अगर 260-280 सीटें मिलती हैं तो भी सरकार तो मोदी की बनेगी। लेकिन जिस तरह का एकल-नेतृत्व का फॉर्मेट मोदी ने पिछले दस वर्षों में दिया है जिसमें केवल 'एक मोदी और आधा अमित शाह' ही सब कुछ होते हैं, उस पर प्रश्न चिन्ह लगेगा। अच्छे पर्फोर्मर्स- जैसे योगी, गडकरी, शिवराज, वसुंधरा और सैकड़ों दोयम दर्जे के नेता 'संघम शरणम' होंगे। नागपुर का रुख भी बदलेगा। और नागपुर बदला तो राजनाथ सिंह सहित बहुत सारे बड़े नेता भी जो मजबूरी में मोदी-वंदन में लगे रहते हैं, ताल ठोकने लगेंगे।

एकल-नेतृत्व मूलतः डरपोक होता है। वह 'जी हजूर' के अलावा कोई शब्द नहीं सुनना चाहता। अगर इसकी शंका भी हुई तो प्रहार की मात्रा इतनी तेज होती है कि बाकी लोग भी दहशत में आ जाते हैं।

इतिहास इसका गवाह है और वर्तमान में रूस, चीन, टर्की सहित तमाम मुल्क भी। मोदी रिटेलिएट करेंगे दमन की हद तक। लेकिन तब आरएसएस की सांगठनिक बहु-आयामी शक्ति उन्हें मास-सपोर्ट से वंचित कर देगी।

मोदी मॉडल शेर की सवारी है। जनमत के सैलाब में इस शेर पर बैठ तो सकते हैं पर उतरने पर शेर द्वारा हजम किये जाने का डर होता है। इसलिए सत्ता सर्वाइवल की पूर्व-शर्त बन जाती है। लेकिन ऐसे में सत्ता के गरूर में नेता यह अकसर भूल जाता है कि उसकी उभार के पीछे शक्तियाँ कौन सी हैं और क्या वे आज भी साथ में हैं?

आरएसएस ने इतने दिनों में योगी को परखा और अपने तराजू पर तौला है और उन्हें 24 कैरेट का पाया है। योगी के गवर्नेंस में चुभन नहीं है और जो 'बुलडोजिंग' है, उससे संघ को ऐतराज नहीं है और वह काल-विशेष के लिए तथा अपने उद्देश्य हासिल करने तक ही रहेगा। लेकिन संघ यह सब तत्काल नहीं, बल्कि अगले एक-दो साल के अंतराल में करेगा।

लेकिन अगर सीटें 220 से कम हुईं तो कांग्रेस और उसके नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अपने प्रयास करेगा। अगर सफल हुआ तो मोदी के खिलाफ संगठन में आवाज़ नहीं उठेगी और मोदी के साथ पूरी ताकत से संघ और पार्टी खड़ी होगी। जब तक कांग्रेस 250 सीटें नहीं लाती, केंद्र में एक सक्षम सरकार देना मुश्किल होगा और मोदी एंड कंपनी उसका लाभ ले सकती है, अपनी पकड़ फिर बनाने के लिए।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर बड़ा ऐक्शन

- राजस्थान समेत अलग-अलग राज्यों से 9 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (एजेंसी)। देश के सात राज्यों में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस विश्नोई के सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक साथ कार्रवाई की है। कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें जयपुर से भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पिता ज्वेलर हैं। पुलिस टीम ने इन बदमाशों के पास से 7 पिस्टल, 31 कारतूस और 11 मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

बुधवार सुबह से शाम तक दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में रेड की गई थी। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार सभी आरोपी एक-दूसरे के संपर्क में थे। अधिकांश आरोपियों की गोल्डी बराड़ से सीधे बात होती थी। गोल्डी से मिलने वाले डायरेक्शन पर ये लोग हर प्रकार का काम किया करते थे। दिल्ली पुलिस ने जयपुर से अभय सोनी उर्फ कार्तिक उर्फ कबीर (22) को गिरफ्तार किया है।

56 फीसदी बीमारियों की जड़ है आपकी 'अनहेल्दी' डाइट

आईसीएमआर की स्टडी में बड़ा खुलासा, जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के चीफ ने भारतीय लोगों के खानपान को लेकर गाइलाइन्स जारी की है। साथ ही, कहा कि हम सभी की आधी से ज्यादा बीमारियों की वजह हमारा गलत खानपान है। देश में 56.4 फीसदी बीमारियों की वजह अन हेल्दी डाइट ही है। आईसीएमआर और इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशियन के मुताबिक खराब खानपान की वजह से शरीर में पोषण की कमी, एनीमिया, मोटापा, डायबिटीज, कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम बढ़ा है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हेल्दी लाइफस्टाइल का पालन करके होने वाली मौतों को पहले से ही रोका जा सकता है।

सुगर और फैट से भरे खाने वाली चीजों की खपत में बढ़ोतरी, कम योगा और शारीरिक रूप से गतिविधि और वजन की समस्या की वजह से स्थिति काफी खराब हो गई है। बच्चे न्यूट्रीशन की कमी से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही कई राज्यों में ज्यादा वजन, मोटापा, डायबिटीज के लक्षणों के बढ़ते जोखिम की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है कि अनहेल्दी, ज्यादा फैट, शुगर और नमक वाले फूड प्रोडक्ट अब हेल्दी फूड प्रोडक्ट्स के मुकाबले ज्यादा आसानी से बाजारों में उपलब्ध हैं। अनहेल्दी फूड के बारे में स्ट्रांग एडवर्टाइजमेंट और मार्केटिंग के कारण ये फूड प्रोडक्ट ज्यादा प्रसिद्ध हो गए हैं और यहीं उनमें बीमारी का कारण बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक व्यक्ति को स्वास्थ्यमंद रहने के लिए दिनभर में 1,200 ग्राम भोजन जरूरी है। इससे उसे करीब 2,000 कैलोरी मिलती है।

परिवार की पांचों सीट हारेगी सपा नहीं खुलेगा खाता

- अजय मिश्रा टेनी के लिए वोट मांगने खीरी पहुंचे सीएम योगी

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में यूपी में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा। समाजवादी पार्टी के मुखिया के परिवार की पांचों सीटों पर हार सुनिश्चित है। योगी गुरुवार को गोला में खीरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी के लिए वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री ने बाबा गोला गोकर्णनाथ की पावन धरा को नमन करते हुए महाराणा प्रताप की पावन जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सीएम योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तीन चरण पूरे हो चुके हैं। देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग कह रहे हैं कि राममंदिर का निर्माण अनावश्यक हुआ है। चुनाव जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है दो चीजें साफ हो गई हैं।

सुप्रभात

गुल पे तितली कोई बची ही नहीं
दिल भी टूटा है पंखुड़ी ही नहीं
इस मुहब्बत में टूटना दिल का
फ़र्ज़ होता है, लाज़मी ही नहीं।
चाक पे रक्खी रह गई मिट्टी
कोई तख़लीक़ तो हुई ही नहीं।
हर मुसव्विर का उस पे दावा है
एक तस्वीर जो बनी ही नहीं।
रात भर दस्तकों ने सर पटका
कोई खिड़की मगर खुली ही नहीं।
फिर वो कैसे जुदा हुआ मुझसे
मैंने कोई क़सम तो दी ही नहीं।
तुम मुझे हर घड़ी सताते हो
जाओ तुमसे मैं बोलती ही नहीं।

– सरिता जैन

सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची टीएमसी

संदेशखाली केस में की शिकायत, कहा-रेप मामला मनगढ़ंत

बीजेपी नेता ने स्टिंग में कहा था-महिलाओं को उकसाया गया

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने संदेशखाली मामले को लेकर पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। टीएमसी ने गुरुवार (9 मई) को अपनी शिकायत में कहा कि संदेशखाली में महिलाओं से रेप के आरोप मनगढ़ंत थे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि उनकी शिकायत एक स्टिंग वीडियो पर आधारित है। इसमें संदेशखाली में भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल ने दावा किया है कि सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी नेताओं के खिलाफ रेप के झूठे आरोपों की साजिश रची थी। टीएमसी ने 4 मई को सोशल मीडिया पर एक स्टिंग वीडियो जारी किया था। इसमें गंगाधर कयाल ने दावा किया था कि भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी के कहने पर शाहजहां शेख सहित टीएमसी के 3 नेताओं पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगवाए गए थे। भाजपा मंडल (बूथ) अध्यक्ष गंगाधर कायल ने स्टिंग वीडियो में बताया कि सुवेंदु ने कहा था कि टीएमसी के मजबूत नेताओं को तब तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, जब तक कि उन्हें बलात्कार के झूठे आरोप में नहीं फंसाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में नाव डूबी, 2 लोग लापता

7 लोगों का रेस्क्यू हुआ, लगातार दूसरे दिन सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के पम्पोर में बुधवार को देर शाम झेलम नदी में एक नाव डूब गई। नाव पर 9 गैर-कश्मीरी लोग सवार थे, जिनमें से 7 लोगों को बचा लिया गया। हालांकि, दो लोग लापता हैं। दोनों यूपी के रहने वाले हैं। इनकी तलाश में कल रात से सर्च ऑपरेशन जारी है। एनडीआरएफ, पुलिस प्रशासन और पैरामिलिट्री फोर्सेज रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए हैं। पुलवामा के डिप्टी कमिश्नर डॉ बशारत कयूम ने बताया कि नदी में तेज बहाव के चलते रेस्क्यू में दिक्कतें आ रही हैं। हालांकि, सभी टीमें लापता लोगों का पता लगाने की पूरी कोशिश में जुटी हैं। घटना की वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नदी के तेज बहाव में नाव डूबते हुए नजर आई। पुलिस ने बताया कि सभी लोग हटीवाड़ा के खेतों में मजदूरी करते थे। वे शाम को काम खत्म करके वापस लौट रहे थे, जब ये हादसा हुआ। उन्होंने काकापोरा ब्रिज के बजाय नाव से नदी पार करने का शॉर्टकट रास्ता चुना था।

कश्मीर में एक महीने के भीतर झेलम नदी में नाव हादसे की ये दूसरी घटना है। इससे पहले 16 अप्रैल को श्रीनगर में एक नाव झेलम में पलट गई थी। इस पर 15 लोग सवार थे।

मायावती के भतीजे आकाश बोले- अंतिम सांस तक लड़ता रहूंगा

- पद छिनने के बाद पहली प्रतिक्रिया, कहा- बहनजी आपका आदेश सिर माथे पर

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद को पद से हटाए जाने के बाद पहली प्रतिक्रिया आई। उन्होंने एक्स पर लिखा- बहनजी आपका देश सिर माथे पर। आपके संघर्षों की वजह से हमारे समाज को एक राजनीतिक ताकत मिली है। अपने समाज के लिए मैं अपनी अंतिम सांस तक लड़ता रहूंगा। मायावती ने तीसरे फेज की वोटिंग के बाद मंगलवार रात 9.30 बजे आकाश से पार्टी की सभी जिम्मेदारियां छीन लीं। बसपा सुप्रीमो ने उन्हें उत्तराधिकारी के साथ ही पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया। उन्होंने लिखा था- आकाश अभी मैच्योर नहीं हैं।

बड़वानी जिले के निवाली पहुंचे सीएम मोहन यादव, हाथ में धनुष लेकर कांग्रेस पर साधे बयानों के तीर

बड़वानी के निवाली में सीएम को तीर कमान भेंट किया गया

बड़वानी (नप्र)। लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में भाजपा-कांग्रेस के स्टार प्रचारकों और स्थानीय नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बड़वानी जिले के निवाली क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का अभिवादन किया।

वहीं स्थानीय नेताओं ने मुख्यमंत्री को तीर कमान भेंट किया। इस पर मुख्यमंत्री ने तीर कमान से कांग्रेस पर निशाना साधा। अपने भाषणों की शुरुआत में उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए क्षेत्र की जनता को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

सीएम यादव बोले- 70 साल से मंदिरों का निमंत्रण ठुकरा रही कांग्रेस- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को बड़वानी जिले के निवाड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस पिछले 70 साल से मंदिरों का निमंत्रण ठुकरा रही है। जब सोमनाथ मंदिर का भूमि पूजन किया गया था, तब नेहरू ने सोमनाथ मंदिर का निमंत्रण ठुकरा दिया था। अब राम मंदिर का निमंत्रण भी ठुकरा दिया। अब 13 मई को जनता इन्हें ठुकराएगी। जो राम का नहीं हो सकता, वो किसी का नहीं हो सकता।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 42 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 10 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

लालू यादव को हरा चुके रंजन यादव लालटेन के साथ

- बोले-इस बार लालटेन की लहर है, सांसद मनोज झा ने दिलाई सदस्यता

पटना (एजेंसी)। पूर्व सांसद रंजन यादव गुरुवार को आरजेडी में शामिल हुए हैं। नीतिश कुमार को बड़ा झटका लगा है। राज्यसभा सांसद मनोज झा ने आरजेडी कार्यलय में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई है। पार्टी की सदस्यता लेते ही रंजन यादव ने लालू प्रसाद यादव की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद का डिमांड लोकसभा चुनाव में हर राज्यों में होती थी। देश के चार–चार प्रधानमंत्री के साथ लालू प्रसाद यादव ने काम किया है। वे लालू प्रसाद यादव को अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए बुलाते थे। वह पाटलिपुत्र से भी सांसद रह चुके हैं। जब उसको लेकर उनसे सवाल किया गया कि इस बार वहां पर कौन जीत रहा है तो उन्होंने कहा कि इस बार लालटेन की लहर है।

चीन का जला श्रीलंका अब आया पुराने दोस्त के पास

- भारतीय कंपनी को मिली एक और बड़ी डील, ड्रैगन को भारत का जवाब

कोलंबो (एजेंसी)। इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट में फंसने के बाद श्रीलंका को समझ आ गया है कि चीन की दोस्ती उसके लिए खतरनाक है। यही वजह है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वीपीय देश को फिर से पुराने सहयोगी और पड़ोसी भारत के करीब लेकर आ रहे हैं। श्रीलंका की विक्रमसिंघे सरकार महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग को बढ़ावा दे रही है। श्रीलंका की सरकार ने हाल ही में भारत की अडानी ग्रीन एनर्जी के साथ 20 साल के बिजली खरीद समझौते को मंजूरी दी है। इसमें मन्नार और पूनेरिन में 484 मेगावाट के दो पवन ऊर्जा स्टेशन की स्थापना के लिए 44.2 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल है।

इजराइल राफा में घुसा तो अमरीका नहीं देगा हथियार

- राष्ट्रपति बाइडेन ने धमकाया, 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप रोकी

वाशिंगटन (एजेंसी)। बाइडेन ने नेतन्याहू को चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिक राफा में घुसे तो वे इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन ने कहा है कि इजराइल को राफा में मिलिट्री ऑपरेशन और अमेरिकी हथियारों

के बीच किसी एक को चुनना होगा। अमेरिका अब तक इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की एक खेप को रोक चुका है। एजेंसी के मुताबिक 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप इजराइल भेजी जानी थी। जिसे पिछले हफ्ते रोक दिया गया। पिछले 7 महीनों से जारी जंग के बीच ऐसा पहली बार हुआ। एजेंसी से बात करते हुए बाइडेन ने माना कि अमेरिका के हथियारों से गाजा में आम नागरिकों की मौत हुई है। अमेरिका का मानना है कि इजराइल अमेरिका से मिलने वाले बमों का इस्तेमाल राफा के रिहायशी इलाकों में नहीं करेगा।

चंद्रमा पर बड़ी तैयारी, अब असंभव भी होगा संभव

चांद से एक बार फिर आई बड़ी खुशखबरी, ट्रेन चलाएगा नासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों से चांद पर असंभव जैसे प्रोजेक्ट कामयाब हुए हैं। इसरो ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराकर इसका सबसे ताजा उदाहरण पेश किया है। चांद पर पिछले कुछ सालों में तमाम देशों की दिलचस्पी भी बढ़ी है और सक्रियता भी। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा चांद पर असंभव जैसा मिशन पूरा करने में लगा है। नासा अगर कामयाब हो गया तो चांद पर इंसानों की चहल-कदमी मुमकिन हो पाएगी। नासा चांद पर रेलवे लाइन बिछाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। नासा का चंद्रमा एक्सप्रेस मिशन अभी कितना तक पहुंचा जानते हैं। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा चंद्र एक्सप्रेस को मुमकिन करने में जुटी है। नासा का यह प्रोजेक्ट हालांकि अभी किसी साइंस फिक्शन जैसी फिल्म जैसा लगता है और यकीन मानिए कि अभी यह नामुमकिन जैसा भी है लेकिन, नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दशकों में वह ऐसा कर पाएगी। काल्पनिकता को वास्तविकता के चोले में आमादा नासा की टीम चांद पर रेलवे लाइन के लिए फंड भी जुटा रही है।

नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यह संभव हो गया तो यह मानव जाति के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। अपनी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के बारे में बोलते हुए, नासा के वैज्ञानिक जॉन नेल्सन इसे विज्ञान का चमत्कार मानते हैं। उनके अनुसार, इस मिशन के साकार होने की कोई गारंटी नहीं है लेकिन, भविष्य में चांद पर रेल परियोजना किसी दिन एयरोस्पेस मिशन का हिस्सा बन सकती हैं। इस प्रोजेक्ट में चांद पर रेलवे लाइन बिछाने के अलावा मंगल ग्रह पर इंसानों और माल के ट्रांसफर के लिए अत्याधुनिक प्रणाली विकसित करना है। नासा की ये परियोजनाएं इनोवेटिव एडवांस्ड कॉन्सेप्ट्स (एनआईएसी) कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इस तरह की कुल छह परियोजनाएं चल रही हैं।

हरियाणा में फंसी बीजेपी, कांग्रेस ने गवर्नर से मांगा मिलने का समय

- जजपा ने भी फ्लोर टेस्ट के लिए पत्र भेजा, मुश्किल में सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में 3 निर्दलीय विधायकों द्वारा भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद कांग्रेस पार्टी ने गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय से मिलने के लिए समय मांगा है। पार्टी का कहना है कि नायब सिंह सैनी की अगुआई वाली राज्य सरकार बहुमत खो चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि राज्यपाल से 10 मई को मिलने का टाइम मांगा गया है। उधर, भाजपा की पूर्व सहयोगी पार्टी जननायक जनता पार्टी ने भी राज्यपाल को लेटर लिखकर सैनी सरकार के फ्लोर टेस्ट की मांग की है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को गवर्नर को पत्र लिखा। चौटाला ने कहा कि अगर बहुमत नहीं तो तुरंत राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। उन्होंने भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग के भी आरोप लगाए। भाजपा-जजपा की गठबंधन सरकार में दुष्यंत साढ़े 4 साल डिप्टी सीएम रहे। इस बीच भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने वाले पुंडरी से विधायक रणधीर गोलन, नीलोखेड़ी से धर्मपाल गोंदर और चरखी दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान ने गवर्नर को समर्थन वापसी का पत्र सौंप दिया है। इससे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार अल्पमत में आ गई है। इस बारे में दुष्यंत चौटाला ने कहा-2 महीने पहले बनी सरकार अल्पमत में चली गई है। उनको सपोर्ट करने वाले 1 भाजपा और एक निर्दलीय ने इस्तीफा दे दिया। 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन वापस ले लिया है। जजपा ने खुलकर कहा है कि अगर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आता है तो हम उसका समर्थन करेंगे। इसके लिए हमने गवर्नर को लिखित तौर पर भेजा है। जिसमें मांग की है कि संविधान के अनुसार फ्लोर टेस्ट की पावर गवर्नर के पास है। वह सरकार को सदन में बुलाकर फ्लोर टेस्ट के लिए आदेश दें।

काशी में नामांकन से पहले पीएम मोदी करेंगे भव्य रोड शो

13 मई को दिखेगी 'मिनी इंडिया' की झलक, शुरू हुई तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से बीजेपी के सांसद प्रत्याशी हैं। वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन भरने से पहले पीएम मोदी रोड करेंगे। इस रोड शो का पूरा रोड मैप आ गया है। इस रोड शो के रोड मैप विशेष तौर पर तैयार किया गया है। 13 मई को होने वाले इस रोड शो में मिनी इंडिया की झलक देखने को मिलने वाली है। इस रोड की आधाकारिक पुष्टि बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल की ओर से की गई है। पीएम मोदी 13 मई को रोड शो करेंगे और उसके अगले दिन यानी 14 मई को वाराणसी संसदीय सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। गंगा किनारे बसे महादेव के इस शहर काशी में मोदी जीत की हैट्रिक लगाने के लिए एक बार फिर जनता के नजदीक जाकर उनसे मिलेगें। इसको लेकर रोड शो का रोड मैप तैयार कर लिया गया है। इस रोड की जिम्मेदारी सुनील बंसल को दी गई है।

पीएम आपका और संघ भी साथ, देखते हैं क्या कर लोगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नवनीत राणा ने तेलंगाना में '15 सेकेंड' के लिए पुलिस हटाने की बात कहते हुए ओवैसी ब्रदर्स को चुनौती दी थी। उनके बयान पर अब ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन के चीफ ओवैसी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री भी आपके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी आपके साथ है। देखते हैं 15 सेकेंड में क्या कर लेते हो। ओवैसी ने कहा, मैं मोदी जी से कहता हूं कि उन्हें 15 सेकेंड दीजिए। एक घंटा दीजिए। आप क्या करेंगे। जैसा मुख्तार अंसारी के साथ किया वैसा ही करेंगे। हम भी देखना चाहते हैं कि क्या आपमें थोड़ी भी इंसानियत बची है। कौन डरता है, हम तैयार हैं। अगर कोई इसके लिए खुला आह्वान कर रहा है तो ऐसा होने दें। पीएम आपका है, आरएसएस भी आपका है। सब कुछ आपका है। आपको कौन रोक रहा है। हमें बताओ कि हमें कहां आना है।

संदेशखाली में महिला का यूटर्न, बंगाल में फिर 'उबाल'

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की तीन महिलाओं में से एक ने टीएमसी नेता के खिलाफ रेप का केस वापस ले लिया है। इस मामले ने बंगाल की राजनीति में उबाल ला दिया था। उत्तर 24 परगना जिले के शाहजहां शेख पर आरोप था कि उसने कई मामलों का यौन उत्पीड़न किया है और उनकी जमीनों पर भी कब्जा किया है। इस मामले पर भाजपा ने टीएमसी को जमकर घेरा था। यही नहीं लोकसभा चुनाव में भी यह मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में एक महिला का यूटर्न लेना चौंकाने वाला है। महिला ने कहा कि मेरा यौन उत्पीड़न नहीं हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार महिला ने कहा कि मुझे भाजपा के लोगों ने सादे कागज पर साइन कराए थे और पुलिस को शिकायत कर दी थी। यही नहीं शिकायत वापस लेने वाली महिला ने संदेशखाली पुलिस थाने में एक केस भी दर्ज कराया है। इस एफआईआर में उसने आरोप लगाया है कि उसे धमकियां मिल रही हैं।

भाजपा के मप्र प्रवक्ता गोविंद मालू का हृदयाघात से निधन, सीएम ने दी श्रद्धांजलि

इंदौर (नप्र)। भाजपा के मप्र प्रवक्ता गोविंद मालू का बीती रात हृदयाघात से निधन हो गया। वे 67 वर्ष के थे। उनके निधन पर अनेक वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। शहर के रीजनल पार्क मुक्तिधाम पर मालू का अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी इंदौर पहुंचकर मालू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष, भाजपा के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी, वरिष्ठ भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गोविंद मालू जी के हृदयाघात से आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है। आपका असमय जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

मरीजों को हर दो से तीन सप्ताह में खून चढ़ता है, थैलेसीमिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम में दी गई जानकारीमरीजों को हर दो से तीन सप्ताह में खून चढ़ता है, थैलेसीमिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम में दी गई जानकारी। जानकारी के अनुसार देर रात भोजन के बाद मालू को दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि गोविंद मालू मध्य प्रदेश खनिज विकास निगम के उपाध्यक्ष रहे थे। वे भाजपा के पूर्व मप्र मीडिया प्रभारी रहे थे। वर्तमान में वे भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता थे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने शोक संदेश में कहा कि खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष, भाजपा के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी, वरिष्ठ भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू के हृदयाघात से आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है। आपका असमय जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। सीएम ने इंदौर में मीडिया से कहा कि गोविंद मालू ने पार्टी में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। पीएम नरेन्द्र मोदी की चुनावी सभा के मद्देनजर भी मालू परसों उनके साथ धार में थे।

मप्र भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, मप्र भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद और अनेक वरिष्ठ नेताओं ने मालू के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मालू के परिवार में मां , पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। वे एक कुशल वक्ता के साथ खेल समीक्षक भी थे।

आरजीपीवी के 19.50 करोड़ के घोटाले में नया खुलासा

1.34 करोड़ व्यापारियों को बांटे; दलित संघ के अकाउंट में ट्रांसफर हुए थे 9.50 करोड़

भोपाल (नप्र)। भोपाल के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अकाउंट से दलित संघ सोहागपुर के अकाउंट में ट्रांसफर हुए 9.50 करोड़ रुपए में से करीब सवा करोड़ रुपए व्यापारियों को बांटे गए। व्यापारियों तक यह रकम दलित संघ के सचिव रतन उमरे ने पहुंचाई है। यह खुलासा आरजीपीवी के अकाउंट से दलित संघ के खाते में ट्रांसफर हुए 9.50 करोड़ रुपए मामले की जांच कर रही भोपाल की गांधीनगर पुलिस ने किया है। साथ ही पुलिस ने इस मामले में संघ के सचिव रतन उमरे और कोषाध्यक्ष अशोक चौरसिया को आरोपी बना लिया है। उल्लेखनीय है यूनिवर्सिटी के अकाउंट में यह रकम स्टूडेंट्स द्वारा परीक्षा, नामांकन, रजिस्ट्रेशन सहित दूसरे प्रोसेस की फीस के रूप में जमा की थी।

कुछ ही घंटे में निकाल लिए 3.20 करोड़ रुपए– गांधीनगर पुलिस की जांच रिपोर्ट के मुताबिक दलित संघ सोहागपुर के खाते में यूनिवर्सिटी के अकाउंट से 23 जनवरी 2023 को 9 करोड़ 50 लाख रुपए ट्रांसफर हुए। अकाउंट में रुपए क्रेडिट होने के कुछ ही घंटे बाद दलित संघ के सचिव रतन उमरे ने 3 करोड़ 20 लाख रुपए निकाल लिए। जबकि 55 लाख 73 हजार 500 रुपए चैक से निकाले। इसके अलावा 25 लाख 65 हजार रुपए सचिव रतन उमरे ने अपने खुद के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अकाउंट में ट्रांसफर किए थे। दलित संघ के सचिव रतन उमरे पर 1.34 करोड़ रुपए व्यापारियों को बांटने का आरोप है।

जनसंख्या विवाद

देश को इस्लामिक स्टेट बनाना चाहती है कांग्रेस

जल्द लागू हो जनसंख्या नियंत्रण कानून, आबादी वाली रिपोर्ट पर हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हिंदुओं की घटती और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी को लेकर प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट पर जमकर सियासी बयानबाजी हो रही है। बीजेपी के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने कहा है कि कांग्रेसियों ने देश को धर्मशाला बना दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि वे भारत को इस्लामिक स्टेट बनाना चाहते हैं। वहीं, बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस रिपोर्ट को देश की जनता को भ्रम में डालने वाला और नफरत फैलाने वाला करार दिया है। इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, कांग्रेस ने देश को धर्मशाला बना दिया है। वे भारत को इस्लामिक स्टेट बनाना चाहते हैं। भारत में 1947 में हिंदुओं की आबादी लगभग 90 प्रतिशत थी। आज हम सिर्फ 70 प्रतिशत पर आ गए। मुसलमानों की आबादी भारत में 20 प्रतिशत हो गई है, जो पहले सिर्फ आठ प्रतिशत थी। देश में बांग्लादेशी घुसपैठिए आए हैं। रोहिंग्या को वोटबैंक बना दिया गया है। इसलिए ये लोग मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं। इस रिपोर्ट पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, जो जनगणना 2021-22 में होना था वे 2024 तक नहीं हुआ। ये केवल देश की जनता को भ्रम में डालना और लोगों में नफरत फैलाने की बात कह रहे हैं। पीएम और भाजपा का यही एजेंडा है, ये फिर से लोगों को ठगना चाहते हैं। वहीं, भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने बताया कि वह इस रिपोर्ट को पढ़ने के बाद से आहत हो गए हैं। उन्होंने कहा, इस देश में तत्काल प्रभाव से जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करना चाहिए। जब-जब हिंदू घटा है तो देश बंटा है। 4 बीबी और 40 बच्चे इस देश नहीं चलेगा। भारत में 1950 से 2015 तक 65 वर्षों के अंतराल में बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में हिंदुओं की हिस्सेदारी में 6 फीसदी की गिरावट आ गई है।

पराली जलाने वाले किसानों के लिए बुरी खबर

केंद्र सरकार ने एमएसपी पर ले लिया है अब बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा साल 2023 में सुनाए गए एक फैसले का हवाला देते हुए केंद्र सरकार ने खेतों में पराली जलाने वाले किसानों को इस साल से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ देने से वंचित करने के लिए राज्य की सरकारों को पत्र लिखा है। केंद्र ने जिन राज्यों को यह चिट्ठी लिखी है उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान शामिल है।

केंद्र ने इन राज्यों को मुख्य सचिवों को इसे लागू करते हुए जल्द ही स्टेटस रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। आपको बता दें कि पराली जलाने वाले किसानों को खिलाफ फाइन और सजा के प्रावधान सियासी तौर पर काफी जटिल हैं। सरकारें अपनी सियासी हितों को ध्यान में रखते हुए पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई से परहेज करती रही है। बीते 10 अप्रैल को सचिवों की समिति की एक बैठक हुई। इस बैठक में केंद्र सरकार ने पराली के खिलाफ कार्रवाई को लेकर कार्ययोजना तैयार की। इसरो प्रोटोकॉल के तहत पराली जलाने वाले किसानों को एमएसपी से प्रतिबंधित किए जाने का फैसला किया।

इंदौर के दोहरे हत्याकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार

- रुपए चुराने के विवाद में हुई थी दोनों हत्याएं, तीसरे पीड़ित ने खोला राज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तेजाजी नगर में 3 मई को दो मजदूरों की हत्या के केस में अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार हो गए हैं। दोनों हत्याएं रुपए चुराने के विवाद में हुई थी। हम्माली से जुड़े तीन आरोपी शराब पिलाने के बाद तीन लोगों को खेत पर ले गए और यहां कपड़े उतारकर लाठी और डंडे से मारपीट की। इसमें दो लोगो की मौत हो गई। इस घटनाक्रम में एक व्यक्ति जान बचाकर भाग गया। उसी ने पुलिस के सामने पूरे मामले का पर्दाफाश किया। डीसीपी विनोद मीणा की टीम ने हरिराम और सुरेश की हत्या के मामले में खुलासा करते हुए तीन आरोपी गोलू, अमन और गोविंद को हिरासत में लिया है। तीनों ने ही डंडे और लाठियों से पीटकर दोनों को मौत के घाट उतारा था। इस हमले में तीसरा पीड़ित बिंतोश कर्मा मौके से भाग गया था। वह सुरेश और हरिराम के साथ रहता था। बिंतोश ने पुलिस को बताया कि 2 मई की रात में गोलू, अमन और गोविंद उसके पास आए। सभी ने तीन इमली पर शराब पी। इसके बाद गोलू ने कहा कि नेमावर कलाली पर शराब पीएंगे और वहीं ढाबे पर खाना खाकर सो जाएंगे। सभी ई-रिक्शा से नेमावर ब्रिज पर पहुंचे वहां गोलू ने पैदल ही ढाबे तक जाने को कहा। यहां से गोलू और बाकी लोग खेत में जबरदस्ती पकड़कर ले गए। इसके बाद आरोपियों ने धमकाया कि तुमने हमारे रुपए चुराए हैं। सुरेश हरिराम और तुम्हें जान से खत्म कर देंगे। आरोपियों ने यहां बेंत और लात घूंसों से पीटा। आरोपियों ने जबरदस्ती कपड़े उतारने के लिये कहा। गोलू डंडे से पीटता रहा। पत्थर से हाथ-मुंह और कई जगह मारा। इस हमले में बिंतोश बेहोश हो गया। हमलावर उसे मरा समझकर छोड़ गए। होश आने पर पूरे मामले का पता चला।

इंदौर में 450 रुपए बढ़े सोने के दाम

थोक बाजार में मूंगफली तेल के दाम फिर बढ़े

इंदौर (नप्र)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना कम से कम आठ डॉलर फिसला। इसके असर से भारतीय बाजारों में सोने में नरमी आना थी हालांकि सट्टेबाजों के सक्रिय होने से गिरावट नहीं आई। इंदौर में नकद में सोना 450 रुपये बढ़कर 71200 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। चांदी के भाव में भी अंतरराष्ट्रीय असर से उलट नकद में 100 रुपए की मजबूती रही। डालर के सुधरने से उम्मीद की जा रही है कि आगे अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी सुधार के संकेत देगी। इधर, बंदरगाहों पर दाम तेज होने से स्थानीय बाजार में तेल में तेजी देखी जा रही है। बुधवार को इंदौर थोक बाजार में मूंगफली तेल के दाम 10 रुपये बढ़ गए। मूंगफली तेल इंदौर बढ़कर 1530 रुपये तक ऊपर में बिका। सोयाबीन रिफाइंड के दाम में भी पांच रुपये की तेजी आई

वीडी शर्मा ने अक्षय बम को बताया खोटा सिक्का

इंदौर में कांग्रेस पर हमला, कहा- आपका सिक्का खोटा निकला, लोग नोटा पर क्यों वोट डालें?

इंदौर (नप्र)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा बुधवार शाम इंदौर पहुंचे थे। उन्होंने अक्षय कांति बम का नाम लिए बिना कांग्रेस पर हमला किया, कहा कि आपका सिक्का खोटा निकला तो लोग नोटा पर क्यों वोट डालें? कांग्रेस धरातल की ओर जा रही है। जीतू पटवारी कांग्रेस को समापन की ओर बढ़ा रहे हैं।

शर्मा ने कहा मध्यप्रदेश और देश की जनता अब कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं देने वाली, जो पार्टी खजुराहो और इंदौर सहित देश की कई सीटों पर अपने प्रत्याशी तक खड़ा नहीं कर पाई वो नोटा का बटन दबाने की बात कह रहे हैं। देश के आजाद होने के बाद महात्मा गांधी जी ने कांग्रेस को खत्म करने की बात कही थी। जीतू पटवारी गांधी जी के उस सपने को पूरा करने पर तुले हुए हैं। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि देश में विपक्ष नहीं हैं। देश में जो विपक्षी दल है वह सब अपने परिवारों के लिए राजनीति कर रहे हैं। जीतू पटवारी का बयान मध्यप्रदेश की साढ़े 8 करोड़ की जनता का अपमान है।

प्रदेश में कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा

शर्मा ने मीडिया से चर्चा में आगे कहा कि मध्यप्रदेश सहित देश के कांग्रेस नेतृत्व में घोर निराशा व हताशा का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस ने इंदौर की जनता के साथ धोखा किया है। खजुराहो में कांग्रेस ने मैदान छोड़ा, समाजवादी पार्टी को समर्थन दिया। उसने भी प्रत्याशी बदला, फिर दूसरे प्रत्याशी ने गलत फार्म भरकर मैदान छोड़ दिया। देश की कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार खड़ा नहीं कर पाई, इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस देशभर में समापन की ओर बढ़ रही है। कांग्रेस को मप्र में एक भी सीट नहीं मिलेगी, वह यहां खाता भी नहीं खोल पाएगी। बुधवार शाम को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा इंदौर आए। उन्होंने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

यह भी बोले शर्मा

नोटा को वोट देने की अपील करना लोकतंत्र को कमजोर करना है। आपका एक वोट भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाएगा

आपके एक वोट से भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, आपका एक वोट भारत को विश्व गुरू बनाएगा, और आपका एक वोट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाली सरकार का चयन करेगा।

देश में विपक्ष नहीं, विपक्षी दल अपने परिवारों के लिए राजनीति कर रहे हैं- सैम पित्रोदा का बयान देश की संप्रुभता पर हमला है। उनके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए। बांटो और राज करो के नाम पर कांग्रेस हमेशा से काम करती आई है। कांग्रेस अभी भी जातियों के अंदर लोगों को बांटकर राज करना चाहती है। भाजपा को पिछले लोकसभा चुनाव में मिले मत से 10 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर इस चुनाव में भाजपा को मिलेगा।

इसलिए दिया शर्मा ने बयान- नामवापसी के बाद पटवारी ने नोटा को बताया था विकल्प- दरअसल अक्षय कांती बम के नामवापसी के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ऐलान किया था कि उनकी पार्टी इंदौर में किसी भी प्रत्याशी को समर्थन नहीं देगी। दलबदल के विरोध में नोटा ही हमारा विकल्प होगा। पार्टी हाईकमान ने भी यही निर्देश जारी किए हैं।

पटवारी ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी के पास बीजेपी को सबक सिखाने के कई तरीके हैं। ये इंदौर की जनता को तय करना है। हम चुनाव का बहिष्कार करने के लिए नहीं कहेंगे। लेकिन नोटा का विकल्प हम सब के पास है।

इंदौर गृहदोष की पूजा बताकर ठगी

महिला को बेहोश कर जेवर और नकदी ले उड़ी परिचित भिखारी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजेन्द्र नगर में महिला को गृहदोष बताकर एक परिचित भिक्षुक महिला ने पूजा के नाम पर लाखों के जेवर और नकदी ठग लिये। इस मामले में महिला ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया। इस पर जांच करते हुए महिला की जानकारी निकालकर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक कामिनी मलिक निवासी संदीपन कॉलोनी ने बताया कि 17 अप्रैल से उनके यहां सफेद साड़ी पहनी एक महिला भिक्षावृत्ति के लिये आती थी। कभी महिला पीने के लिये चाय मांगती तो कभी खाने के लिये भी मांग लेती।

2 मई के दिन जब कामिनी घर पर अकेली थी तो वहां महिला आई और कहा कि अब वह अपने गांव जा रही है। इसी बीच बातों में लेकर उसने कामिनी से कहा कि तुम्हारे घर में गृहदोष है। जिसकी पूजा उसे आती है। कामिनी ने महिला की बात पर भरोसा कर लिया। उसे घर में बुला लिया।

इंदौर की होटल से जुआरी पकड़ाए

- होटल में कमरा लेकर खेल रहे थे, डेढ़ दर्जन से अधिक पर कार्रवाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने एक होटल में जुआं खेलते आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से रुपए और ताश के पत्ते जब्त किए गए हैं। सभी पर जुआं एक्ट ओर प्रतिबंधात्मक धाराओं में केस दर्ज किया गया है। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के मुताबिक होटल महालक्ष्मी नगर की हनी ब्लू होटल में मुखबिर की सूचना पर बुधवार देर रात दबिश दी गई। इसमें जुआ खेलते करीब 20 के लगभग आरोपियों को पकड़ा गया है। आरोपियों ने यहां कमरा किराये पर लिया था। जुआं खेलने वालों के पुलिस अफसर रिकॉर्ड भी खंगाल रहे हाँ। उनके पास से करीब 76 हजार रुपए बरामद हुए हैं।

कला प्रशिक्षण व्यक्तित्व विकास के साथ कैरियर के लिए भी उपयोगी

बालिकाओं के लिए चार दिवसीय नि:शुल्क कला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

सुबह सवेरे, इंदौर। समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा मालवीय नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बस्तियों की बालिकाओं के लिए आयोजित चार दिवसीय निशुल्क कला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सुप्रसिद्ध कथक कलाकार सुश्री निवेदिता पंड्या, कला प्रशिक्षक सुश्री भारती थत्ते एवं प्राचार्या सुश्री कामिनी साहू ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्बोधन में सुश्री साहू ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में कलाओं के व्यावहारिक शिक्षण की बजाए पुस्तकीय ज्ञान को अधिक प्रमुखता दी जाती है किंतु ऐसे शिविरों से बच्चों का कलाओं के वास्तविक और व्यावहारिक पक्षों से परिचय होता है जो न सिर्फ उनके व्यक्तित्व विकास बल्कि कैरियर की दृष्टि से भी उपयोगी हो सकता है। सुश्री निवेदिता पंड्या ने कहा कि विद्यार्थी काल में कला की साधना जीवन को सौन्दर्य एवं आनंद से भर देती है। समाज सेवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री आलोक खरे ने बताया कि प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले कला शिविरों में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा नृत्यकला के साथ विविध कलाओं यथा क्राफ्ट, चित्रकला, अभिनय आदि का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। बालक बालिकाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखकर होने वाले इन शिविरों में समाज के कमजोर वर्गों और निर्धन परिवारों के बच्चों को प्राथमिकता से शामिल किया जाता रहा है।

कला शिविर में ख्यात नृत्यांगना सुश्री निवेदिता पंड्या ने बालिकाओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा के परिचय के साथ साथ तीन ताल, मुद्राओं आदि की प्रारंभिक जानकारी देते हुए कुछ स्टेप्स का अभ्यास कराया। सुश्री भारती थत्ते ने अखबार के कागज से आकर्षक मॉडल और साज सज्जा सामग्री बनाना सिखाया। अतिथियों का स्वागत सर्वश्री आलोक खरे, संस्था सचिव श्री सुबोध भोरासकर, शिविर संयोजक पुष्पा महादिक, सुमित्रा डिसूजा, माया ढोने,अशोक कापडनिस, सुरेश रायकवार, लक्ष्मण पवार आदि ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गण भी उपस्थित रहे। सत्र संचालन साहित्यकार श्री ब्रजेश कानूनगो ने तथा आभार प्रदर्शन प्रकोष्ठ सचिव श्री सुबोध भोरासकर ने किया।

एमबीए की छात्रा का बनाया अश्लील वीडियो

वायरल के नाम पर रुपए मांगे, माता-पिता के साथ थाने पहुंची पीड़िता

इंदौर (नप्र)। इंदौर के परदेशीपुरा इलाके में रहने वाले एक आरोपी ने एमबीए की स्टूडेंट के चोरी से अश्लील वीडियो बना लिये। इसके बाद उसे वायरल करने की धमकी देकर रुपए ऐंठता रहा। परेशान होकर छात्रा ने दो बार अपनी रहने की जगह भी बदल दी। लेकिन आरोपी इसके बाद भी लगातर उसका पीछा करता रहा। आखिर में परेशान होकर छात्रा ने अपने माता-पिता को पूरी बात बताई। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और ब्लैकमेल करने के मामले में केस दर्ज किया है।

परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक 26 साल की छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने उसके पूर्व परिचित नितिन के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। छात्रा ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया कि वह एमबीए की पढ़ाई कर रही है। 2019 में वह नानी के यहां रहने गई।

कभी कभी नानी काम से बाहर चली जाती। इसी बीच एक दिन जब वह कपड़े बदल रही थी तो किचन के यहां के रोशनदान से मकान मालिक के बेटे नितिन ने उसका वीड़ियो बनाया। इसके बाद निडीन ने मोबाइल नंबर लेकर कॉल किया और कहा कि उसके पास अश्लील वीडियो है। उसे वह वायरल कर देगा।

नितिन ने मिलने बुलाया। वीडियो दिखाते हुए हाथ पकड़कर अश्लील हरकत करने की कोशिश की। लेकिन धक्का देकर उसे दूर किया। नितिन ने कहा कि वीडियो वायरल नहीं करेगा। लेकिन उसके बदले रुपए देने होंगे। छात्रा ने अपने पास रखे सभी रुपए नितिन को दे दिए। छात्रा परेशान होने के बाद चुपचाप वहां से रूम खाली किया और परदेशीपुरा इलाके में ही दूसरी जगह रूम ले लिया। यहां भी नितिन जाने लगा। युवती के कॉलेज आते जाते समय उसका पीछा किया। जनवरी 2024 में कमरा खाली करके पिता के पास जाकर रहने लगी। नितिन के डर के चलते घर के बाहर जाना बंद कर दिया। ज्यादा किसी से बात नहीं करती। माता-पिता ने इसका कारण पूछा तो पूरी बात बताई। उन्होंने हिम्मत दी ओर मामले में नितिन के खिलाफ केस दर्ज कराया।

इंदौर में चुनावी खर्च पर पसोपेश में भाजपा

- लालवानी ने 17 लाख रु. ही लगाए; नोटा का ट्रेंड देख मंत्री बोले- बटुआ खोलो शंकरजी

इंदौर (नप्र)। लोकसभा चुनाव में खर्च के मामले में भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी ने हाथ खींच लिए हैं। 2019 के मुकाबले उन्होंने आधा भी खर्च नहीं किया है। जबकि, चुनावी खर्च हर तरफ से महंगा हुआ है, बावजूद इस बार यह स्थिति बन रही है। इसकी बड़ी वजह है कि कांग्रेस का मैदान छोड़ देना..। हालांकि, नोटा के ट्रेंड में आने के बाद वे फिर से मैदान में उतर गए हैं। पार्टी को भी मोर्चा संभालना पड़ रहा है। कम खर्च के मुद्दे पर लालवानी ने किसी तरह की समस्या या स्ट्रैटेजी होने से इनकार किया है। चुनाव आयोग को पेश किए खर्च के आंकड़ों के अनुसार, लालवानी ने 2024 के चुनाव में 2 मई तक 17 लाख रुपए खर्च किए हैं। उसके बाद का प्रचार भी देखा जाए तो न कोई बड़ी सभा हुई, न बड़े नेता का रोड शो..। कहा जा रहा है कि वे 2019 के मुकाबले आधे ही खर्च में चुनाव लड़ेंगे। आगे बड़ी राशि खर्च करने से भी उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को अवगत करा दिया है। ध्यान रहे कि मतदान में अब सिर्फ 5 दिन ही शेष बचे हैं।

भाजपा की रात को अचानक हुई बैठक में भी उठा था खर्च का मुद्दा- नोटा को लेकर कांग्रेस के ऐलान के बाद इंदौर से लेकर भोपाल-दिल्ली तक भाजपा फिर सक्रिय हो गए है। कहा गया है कि ज्यादा से ज्यादा मतदान कराया जाए वर्ना जीत का अंतर घटा तो भी पूरे देश में गलत मैसेज चला जाएगा। बीजेपी कार्यालय पर रणनीति तय करने बैठे इंदौर के भाजपा नेताओं के सामाने यह बात आई कि कार्यकर्ता काम करने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में मतदान का प्रतिशत कैसे बढ़ेगा। चुनाव खर्च के मुद्दे पर सबकी बात सुनने के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी से पूछा, आप क्या कर रहे हो? आखिर परेशानी कहां है? उन्होंने दो-तीन बार लालवानी की ओर इशारा करते हुए कहा कि ऐसे काम नहीं चलेगा। इस सब पर लालवानी निरूत्तर ही रहे।

आखिर क्यों बड़े खर्च से लालवानी ने बनाई दूरी...

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार रहे अक्षय कांति बम के नामांकन वापस लेने और बीजेपी में शामिल होने के बाद से इंदौर में मतदान को लेकर उत्साह खत्म हो गया था। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि इसी के बाद लालवानी ने चुनाव की शुरुआत में तय खर्च से भी हाथ खींच लिए। वे अब सिर्फ सामान्य जनसंपर्क कर रहे हैं। उनके नजदीकियों का कहना है कि जिस हिसाब से माहौल बना हुआ है, उसे देखें तो इस बार चुनाव आयोग द्वारा तय खर्च की सीमा को कोई छू नहीं पाएगा।

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने कुल 14 उम्मीदवारों से 2 मई तक के चुनावी खर्च की जानकारी मांगी थी। लालवानी ने 17 लाख रुपए खर्च किए हैं। वहीं मैदान में बचे अन्य 5 उम्मीदवारों ने 40 से 50 हजार रुपए खर्च किए हैं। 4 प्रत्याशियों ने 20 से 30 हजार रुपए की राशि खर्च की है। 4 प्रत्याशियों ने अभी तक 1 रुपया भी खर्च नहीं किया है।

इंदौर में बारिश के बाद मौसम फिर हुआ गर्म

- सुबह बादल छाने के बाद दिन में भीषण गर्मी; तीन-चार दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बुधवार को मौसम कुछ अलग ही था। दिन में हीट वेव के साथ तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान था। शाम को हुई बारिश के बाद मौसम में कुछ ठण्डक घुल गई थी। इस दौरान पारा तेजी से गिरा और गर्मी से राहत मिली। रात का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार सुबह बादल छाए हैं और तेज धूप निकल गई। दिन में गर्म हवाओं ने लोगों को हलाकान कर दिया। इसके पूर्व दिन का तापमान 40.5 (सामान्य) और रात का तापमान 27 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों ने पूर्व में ही 8 और 9 मई को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार जताए थे। बुधवार शाम को तेज हवा और बारिश के कारण अन्नपूर्णा, महू नाका, राजबाडा, पलासिया, तिलक नगर, एलआईजी, विजय नगरस स्कीम 78 सहित कई क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट गुल हो गई। दरअसल, साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम, बंगाल की खाड़ी से नमी आने, हवा का रुख बदलने और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से ऐसा मौसम बना हुआ है। अगले 4 दिन तक कहीं हीट वेव चलेगी तो कहीं बारिश, बादल और आंधी वाली स्थिति बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हरियाणा से ट्रफ लाइन गुजर रही है। अरब सागर से नमी मिल रही है। राजस्थान में भी चक्रवात बना हुआ है। इन कारणों से मौसम बदला है और तापमान में गिरावट आई है। इसका असर अगले चार-पांच दिनों में रहेगा। इस दौरान बादलों, बारिश और हवा का दौर चलेगा। बीच-बीच में गर्मी भी महसूस होगी।

कार धोकर गंदगी फैलाने पर होटल राजशाही पर फाइन

निगम कमिश्नर के तीखे तेवर, कचरा पड़ा होने पर दरोगा का 5 दिन का वेतन काटा

इंदौर (नप्र)। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने गुरुवार को जोन-11 के ढक्कनवाला कुआं क्षेत्र स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया गया। इस दौरान होटल राजशाही द्वारा बोरिंग के माध्यम से वाहन धोया जा रहा था। इस कारण गंदा पानी रोड पर आ रहा था। इस पर उन्होंने सीएसआई को होटल राजशाही के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगम कमिश्नर ने जिला जेल चौराहा पर रोड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निर्माण अधूरा होने पर उसे समतल करने, पेवर ब्लॉक लगाने के साथ ही ग्रीनरी लगाने के निर्देश दिए। कृषि अनुसंधान केंद्र के सामने खाली जमीन पर बड़ी मात्रा में कचरा और सीएडडी वेस्ट पड़ा होने पर उन्होंने सीएसआई पर नाराजगी जताई। साथ ही क्षेत्रीय दरोगा गोपाल पटोना को नोटिस जारी करते हुए 5 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

संपादकीय

पित्रोदाओं से परेशान कांग्रेस

कांग्रेस के पास अगर सैम पित्रोदा जैसे शुभचिंतक हो तो उसे दुश्मनों की जरूरत नहीं है। भारत में कम्प्यूटर क्रांति के जनक कहे जाने वाले और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के करीबी रहे सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा उर्फ सैम पित्रोदा ने इस लोकसभा चुनाव के दौरान अपने विवादित बयान से कांग्रेस को दूसरी बार मुश्किल में डाला है। उनका दूसरा बयान तो कांग्रेस पर इतना भारी पड़ा कि पार्टी ने पित्रोदा से तुरंत इस्तीफा मांग लिया। क्योंकि इस बयान से होने वाले राजनीतिक नुकसान को कम करने का शायद यही एकमात्र तरीका था। सैम पित्रोदा प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ हैं और अमेरिका में रहते हैं। हालांकि वो जन्मे और पढ़े लिखे भारत में ही हैं। कांग्रेस और गांधी परिवार से उनका करीबी सम्बन्ध रहा है। अभी भी वो ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष थे। पित्रोदा के बयान पर बवाल की वजह अंग्रेजी अखबार द स्टेट्समैन को दिया उनका इंटरव्यू है। जिसमें उन्होंने कहा कि हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहाँ पूर्व में रहने वाले लोग चाइनीज़ जैसे दिखते हैं, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में रहने वाले मेरे ख्याल से गोरे लोगों की तरह दिखते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे लगते हैं।' पित्रोदा बात भारतीयों के भाई चारे की कर रहे थे, लेकिन न जाने क्यों उन्होंने दक्षिण भारतीयों के रंग रूप की तुलना अफ्रीकियों से क्यों कर डाली। दक्षिण भारतीयों का रंग आमतौर पर सांवला होता है, लेकिन उन्हें अफ्रीकी नस्ल का बताना किसी को भी हजम होने वाली बात नहीं है। उनकी नस्ल द्रविड है। भाजपा तत्काल इस बात को ले उड़ी। पहला पलटवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे कोई गाली दे, मुझे गुस्सा नहीं आता। लेकिन आज शहजादे (राहुल गांधी) के फिलॉस्फर (सैम पित्रोदा) ने इतनी बड़ी गाली दी है, जिसने मुझमें गुस्सा भर दिया है। कोई मुझे ये बताए कि क्या मेरे देश में चमड़ी के आधार पर योग्यता तय होगी। संविधान सिर पर लेकर नाचने वाले लोग चमड़ी के रंग के आधार पर मेरे देशवासियों का अपमान कर रहे हैं। 'मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भी ज़िक्र किया और कांग्रेस पर निशाना साधा। जाहिर है कि पित्रोदा के बयान का दूसरा अर्थ निकाला गया और देश में जारी इस तल्खी भरे चुनाव में यह होना ही था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि ये देश को कहां ले जाएंगे। अरे चमड़ी का रंग कोई भी हो। हम तो कृष्ण को पूजने वाले लोग हैं, जिमकी चमड़ी का रंग हम जैसा था।'

मोदी के इस वार से कांग्रेस हिल गई और पार्टी ने पित्रोदा के बयान को खारिज करते हुए उनसे इस्तीफा ले लिया। कुछ दिन पहले ही सैम पित्रोदा ने भारत में सम्पत्ति के बंटवारे के संदर्भ में इनहेरिटेंस टैक्स (विरासत कर) लागू करने का सुझाव दिया था, जिस पर काफी बवाल मचा था। इसी तरह कश्मीर में पुलवामा हमले और फिर भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद सैम ने कहा था, 'हमले होते रहते हैं। मुंबई में भी हमला हुआ था। हम भी प्रतिक्रिया देते हुए प्लेन भेज सकते थे लेकिन ये सही नहीं होता। मेरे हिसाब से आप दुनिया से ऐसे नहीं निपटते हैं।' सैम पित्रोदा की किसी भी मामले क्या राय है, यह उनका अपना मामला है। लेकिन जब वो कांग्रेस नेता के रूप में और खासकर चुनाव के समय कोई बात कहते हैं तो उसका संदेश अलग जाता है। कांग्रेस को उसका राजनीतिक नुकसान होता है। पित्रोदा चाहते तो यही बात 4 जून के बाद भी कह सकते थे। लेकिन उन्हें कौन समझाए।

इंदौर में 'नोटा' बना कांग्रेस का उम्मीदवार

ईवीएम मशीन में एक बटन 'नोटा' का होता है। सबसे अंत वाले इस बटन की ताकत यह है कि वो ऊपर के सभी उम्मीदवारों को रिजेक्ट करने की ताकत रखता है। इस बार लोकसभा चुनाव में इंदौर सीट पर कांग्रेस का कोई उम्मीदवार न होने से पार्टी ने मतदाताओं से 'नोटा' का बटन दबाने का अनुरोध किया है। लेकिन, इसका मतलब ये कतई नहीं कि 'नोटा' अपने प्रतिद्वंद्वी को हरा देगा! क्योंकि, 'नोटा' बिना नख और दंत वाला वो शेर है जो सिर्फ गुर्रा सकता है, किसी का नुकसान नहीं कर सकता।

नजरिया

हेमंत पाल

('सुबह सवेरे' इंदौर के संपादक)

देश में इंदौर की अपनी अलग पहचान है। ये शहर लगातार सात बार देश में स्वच्छता में अव्वल रहा। शुद्ध हवा में इसने कीर्तिमान बनाया। स्मार्ट सिटी के कामकाज के मामले में भी इंदौर को देश में पहला नंबर मिला। खानपान को लेकर तो इंदौर का कोई जवाब नहीं। कहा जाता है कि यहां के लोग खाने के लिए ही जीते हैं। इस शहर में स्वादिष्ट खाने के कई लोकप्रिय ठिकाने हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में इंदौर ने अपने एक उम्मीदवार को साढ़े पांच लाख से ज्यादा के अंतर से जिताकर संसद में भेजा था, यह भी अपने आपमें एक रिकॉर्ड है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी मध्यप्रदेश के मालवा अंचल का यह शहर खासी चर्चा में है। चर्चा इसलिए कि संसदीय सीट के कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन पर्चा वापस लेने वाले दिन चुनाव से अपनी उम्मीदवारी वापस लेकर सबको चौंका दिया। ऐसी स्थिति में चुनाव पूरी तरह एक तरफ़ा हो गया। यानी भाजपा के उम्मीदवार के सामने अब कोई मुकाबला करने वाला नहीं बचा।

चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह स्थिति काफी पेचीदगी वाली होती है कि एनवक्त पर उसका उम्मीदवार मैदान छोड़ दे। न सिर्फ चुनाव से हट जाए, बल्कि नामांकन पर्चा वापस लेने के बाद प्रतिद्वंदी दल में शामिल हो जाए। इंदौर में कांग्रेस के साथ यही हुआ! नामांकन पत्रों की जांच के बाद जब सही पाए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम घोषित हुए, तो संपत्ति ब्यौरे के मुताबिक कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय बम को प्रदेश में सबसे ज्यादा अमीर कांग्रेसी उम्मीदवार माना गया। इसके बाद उन्होंने अपनी 14 लाख की घड़ी का जिक्र किया, जो वे पहनते हैं। यहां तक तो ठीक था, पर कई हफ़्तों तक चुनाव प्रचार के बाद वे अपनी ही पार्टी पर आरोप लगाकर मैदान से हट गए। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के सामने कोई विकल्प नहीं बचा। समय निकल जाने से नया उम्मीदवार का मैदान में उतारना भी संभव नहीं था। जो निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, कांग्रेस ने उनमें से किसी को समर्थन देने के बजाए मतदाताओं से यह अपील की, कि वे अपना वोट 'नोटा' में डालें। यानी सीधा सा मतलब है कि कांग्रेस ने 'नोटा' को अपनी तरफ से चुनाव में खड़ा कर दिया।

ये संभवतः देश में अनोखा उदाहरण है, जब किसी राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दल ने प्रतिद्वंदी पार्टी से मुकाबले के लिए 'नोटा' का सहारा लिया। कांग्रेस ने बकायदा इस बात कि घोषणा की है कि जो मतदाता इंदौर में हुए राजनीतिक घटनाक्रम से खुश नहीं हैं, वे 'नोटा' का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज कराएं। दरअसल,

कांग्रेस उम्मीदवार के चुनाव से हटने पीछे भाजपा का राजनीतिक हथकंडा समझा जा रहा है। काफी हद तक यह सच भी है। बदले हालात में कांग्रेस के पास ऐसा कोई विकल्प भी नहीं था कि वो मुकाबले में उतर सके। तो उसने 'नोटा' को अपना राजनीतिक हथियार बना लिया। लेकिन, सवाल है कि क्या 'नोटा' का दबाने से कोई ऐसा नतीजा सामने आएगा नतीजे पलट दे? तो इसका जवाब 'नहीं' ही होगा। क्योंकि, 2013 में जब मतदाताओं को 'नोटा' का विकल्प देने का फैसला हुआ, तब यह भी स्पष्ट किया गया था कि 'नोटा' को कितने भी वोट मिल जाएं, पर इससे नतीजे प्रभावित नहीं होंगे। यानी 'नोटा' में जाने वाले वोट रद्द समझे जाएंगे। लेकिन, इससे चुनाव में 'नोटा' का विकल्प उपलब्ध कराने वाला भारत दुनिया का 14वां देश जरूर बन गया।

यह बात सही है कि 'नोटा' के आंकड़ों से चुनाव नतीजे अप्रभावित रहते हैं, पर इससे उम्मीदवार की जीत पर सवालिया निशान जरूर लगता है। माना कि ईवीएम का यह बटन 'बिना दांत का शेर' है, पर इसकी गुर्राहट के चर्चे तो होते ही हैं। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में देशभर में 'नोटा' का बटन दबाने वाले मतदाताओं की संख्या 65,22,772 थी। अनूठी बात तो यह कि देश के करीब 20 राजनीतिक दलों के करीब तीन दर्जन उम्मीदवार ऐसे भी थे, जिन्हें 'नोटा' से कम वोट मिले, पर वे जीत का झंडा लेकर संसद में पहुंचे। 2013 में जब 'नोटा' का बटन अस्तित्व में आया, उसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पहली बार इसे प्रयोग किया गया। उस चुनाव में 60 लाख से मतदाताओं ने इसे चुना। सबसे ज्यादा 6 लाख बार 'नोटा' का बटन उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने दबाया। यहां 23 सीटें ऐसी थी, जहां हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट 'नोटा' को मिले। इसी लोकसभा चुनाव में बिहार में 5.80 लाख, गुजरात में 4.54 लाख, मध्य प्रदेश में 3.91 लाख, ओडिशा में 3.32 लाख, छत्तीसगढ़ में 2.24 लाख और झारखंड में 1.90 लाख वोट 'नोटा' को मिले थे।

अभी भले ही 'नोटा' को 'नख और दंत विहीन शेर' समझा जाता हो, पर तय है कि भविष्य में 'नोटा' की ताकत को बढ़ाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में इस आशय की याचिका भी दायर की गई है। अपील की गई है कि किसी निर्वाचन क्षेत्र में 'नोटा' को बहुमत मिलने पर उस निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव शून्य घोषित कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। कहा गया है कि 'नोटा' को 'काल्पनिक उम्मीदवार' के रूप में माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग को इस बारे में नोटिस जारी किया है। कोर्ट इस याचिका पर विचार करने को सहमत हो गया है, जिसमें 'नोटा' में अधिक वोट पड़ने पर चुनाव आयोग को फिर चुनाव का नियम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई।

अब सारी नजरें इस बात पर लगी है, कि जब इंदौर का चुनाव नतीजा घोषित होगा तो 'नोटा' में कितने वोट पड़ेंगे? क्योंकि, इस संसदीय क्षेत्र में 'नोटा' का आशय सिर्फ 'नन ऑफ द एबव' (इनमें से कोई नहीं) ही नहीं है। बल्कि, इसे कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बना लिया। बिना उम्मीदवार वाली पार्टी के पास अब यही उम्मीद बची है, कि वह कुछ ऐसा करे जिससे उसकी साख बच सके। यही वजह है कि कांग्रेस ने मतदाताओं से 'नोटा' का बटन दबाने का अभिनव प्रयोग करने का अनुरोध किया। कांग्रेस यह प्रचारित भी कर रही है कि 'नोटा' को मिले वोट कांग्रेस के माने जाएंगे। लेकिन, चुनावी मुकाबले में भाजपा के सामने कोई प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार न होने से मतदाताओं में मतदान के प्रति भी रुखापन दिखाई दे रहा है। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि 'नोटा' में पड़े वोटों का आंकड़ा बढ़े या नहीं, पर मतदान का प्रतिशत जरूर गिर जाएगा।

दृष्टिकोण

जावेद अनीस

लेखक स्तंभकार हैं।

मोदी दशक के बाद भारत का लोकतंत्र

पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई पहली हिंदुत्ववादी सरकार के एक दशक पूरे हो चुके हैं, इस दौरान नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार अपने कोर एजेंडे को लागू करने में बहुत ईमानदार साबित हुई है साथ ही उसने यह संदेश देने का कोई मौका नहीं गंवाया है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नये भारत का निर्माण हो रहा है जो 1947 में जन्में भारत से बिल्कुल अलग है लेकिन इसी के साथ ही भारत एक विकेंद्रीकृत,उदारवादी और समावेशी लोकतंत्र के तौर पर लगातार कमजोर हुआ है. एक दशक के बाद ऊपरी तौर पर तो भारत वही ही दिखलाई पड़ता है लेकिन इसकी आत्मा को बहुत ही बारीकी से बदल दिया है. आज भारत और भारतीय होने की परिभाषा बदल चुकी है. विभाजक और एकांगी विचार जो कभी वर्जित थे आज मुख्यधारा बन चुके हैं, भारतीय लोकतंत्र को रेखांकित करने वाले मूल्यों और संस्थानों पर लगातार हमले हुये हैं जिससे लोकतंत्र के स्तम्भ कमजोर हो चुके हैं, नागरिक के बीच असामनता बढ़ी है और नागरिक स्थान सिकुड़ते गये हैं.

भारत पूरी तरह से बदल चूका है, 2014 से 2024 के बीच देश का बुनियादी चरित्र बदल चूका है. आजादी के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिए गये प्रसिद्ध भाषण 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' में पुराने से बाहर निकल नए युग में कदम रखने का वादा किया गया था लेकिन अब देश के पहले प्रधानमंत्री द्वारा नियति से किये गये वायदे को तोड़ दिया गया है. आज भारत भविष्य के रास्ते से भटककर अतीत के रास्ते पर चल पड़ा है. सबसे चिंताजनक स्थिति उस धर्मनिरपेक्षता के रास्ते से हटना है जिसे आजादी के बाद से हमारे राष्ट्रीय नीति का एक मूलभूत सिद्धांत माना जाता रहा है, उसकी जगह हिंदू राष्ट्रवाद ने खुद को स्थापित कर लिया है. आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद आज देश, समाज और राजनीति में हिन्दुतत्व की विचारधारा का स्वर्णकाल है.

पिछले दस सालों खासकर 2019 के बाद अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने अपने वैचारिक एजेंडे को जोरदार गति से क्रियान्वित किया है जिसमें अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, तीन तलाक पर कानून, नागरिकता संशोधन कानून-2019 प्रमुख रूप से शामिल हैं. राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद केंद्र सरकार के कैबिनेट बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें कहा गया है कि '1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है'.

एक लोकतंत्र में सिविल सोसाइटी(नागरिक समाज) की भूमिका उसके अंतरात्मा के आवाज की तरह होती है. यह राज्य और बाजार से स्वतंत्र ईकाई होती है और किसी भी जिंदादिल लोकतंत्र के लिए प्रभावी सिविल सोसाइटी का वजूद बहुत जरूरी है. नागिरकों के हितों की वकालत, लोकतांत्रिक सहभागिता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे काम इसकी प्रमुख भूमिकाओं में शामिल है. पिछले एक दशक के दौरान भारत में सिविल सोसाइटी की आवाज कमजोर हुई है साथ ही नागिरकों का सिविक स्पेस भी संकुचित हुआ है. सिविल सोसाइटी और नागरिक अधिकारों पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठन 'सिविकस' ने अपने 2022 के रिपोर्ट में भारत को 'दमित' की श्रेणी में रखा है. गौरतलब है कि 2019 से भारत लगातार इसी श्रेणी में है. रिपोर्ट में कहा गया है कि 'जो लोग और संगठन सरकार से सहमत नहीं होते हैं उनके खिलाफ यूएपीए और एफसीआरए जैसे कानूनों का इस्तेमाल किया जाता है.'

मीडिया का हाल तो बेहाल है ही. देश के प्रमुख मीडिया घरानों की विश्वसनीयता लगातार कम होती गयी है, कम हो भी गई है, वे पक्षपाती नजर आने लगे हैं, मुख्यधारा की मीडिया मोदी सरकार की आलोचना करने में स्वतंत्र महसूस नहीं करती है. इन सबके चलते एक स्वंतत्र संस्थान के तौर पर मीडिया बहुत कमजोर हुई है. 2014 के बाद से भारत विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 180 देशों में से 161वें स्थान पर आ गया है, जो अफगानिस्तान, बेलारूस, हांगकांग, लीबिया, पाकिस्तान और तुर्की से नीचे है. इधर सोशल मीडिया के उदय ने संचार सामग्री के निर्माण और प्रसार को विकेंद्रीकृत तो कर दिया है लेकिन उसकी प्राथमिकता मूल्य गुणवत्ता के बजाय वायरल होना (तेजी से फैलना) है.

2014 में नरेंद्र मोदी की राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद से देश की प्रमुख लोकतांत्रिक संस्थाएं औपचारिक रूप से अपनी जगह पर बनी हुई हैं लेकिन लोकतंत्र को कायम रखने वाले मानदंड और प्रथाएं काफी हद तक कमजोर हुई हैं इस स्थिति को देखते हुये लोकतंत्र पर नजर रखने वाले संगठन आज भारत को एक ऐसे 'हाइब्रिड शासन' के रूप में वर्गीकृत करते हैं जहां ना तो पूरी तरह से लोकतंत्र है ना ही निरंकुशता.

भारत में 2024 में आम चुनाव होने जा रहे हैं, लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि मैच समान पिच पर खेला जाए लेकिन इलेक्टोरल बॉन्ड से मिली भारी दानराशि, विपक्ष पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के चलते मुकाबला एकतरफा सा लगने लगा है. विपक्ष और जागरूक नागिरकों द्वारा चुनावों के स्वतंत्र और निष्पक्ष होने को लेकर चिंताएं वाजिब हैं.

एक लोकतंत्र में राजनीतिक प्रक्रिया का मतलब सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि रचनात्मक सहयोग को बढ़ावा देना है, एक प्रकार से देखा जाए तो एक लोकतंत्र में राजनीति का अर्थ आम सहमति और सामूहिक कार्रवाई के लिए मंच प्रदान करना है लेकिन भारत में आज दोनों चीजें दुर्लभ हो चुकी हैं. भारतीय लोकतंत्र में सत्ता संतुलन की स्थिति बिगड़ चुकी है. पिछले दस वर्षों से हमारे लोकतंत्र के साथ ऐसा कुछ हो रहा है जो इसकी लोकतांत्रिक आत्मा को खत्म कर रहा है और हम गुस्से से उबलते,आपस में भिड़ते,छोटे दिल,दिमाग और संकीर्ण आत्मा वाले एक राष्ट्र के रूप में तब्दील होते जा रहे हैं.

भारत में लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रक्रिया कमजोर हो चुकी है. अब हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र नहीं रह गये हैं. ऐसा नहीं है कि संस्थागत तंत्र पर कब्जा कर लिया गया है, बल्कि लोकतंत्र के रूप में हमारे आगे बढ़ने के रास्ते बंद होने की कगार पर हैं, सत्ता केंद्रीकृत होती जा रही है,शक्ति संतुलन को साधना लगातार मुश्किल होता जा रहा है. अगर दावे के मुताबिक़ सत्तारूढ़ दल लगातार तीसरी बार सता में वापस आती है तो हमें और अधिक लोकतांत्रिक गिरावट, निरंकुशता देखने को मिल सकती है.

नासूर बनते बाल विवाह

विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। आजकल कई लड़कियां खुद भी आगे आकर अपना बाल विवाह रुकवाने का प्रयास करने लगी है।

मुद्दा

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

देश में बाल विवाह के 50 प्रतिशत से अधिक मामले केवल 5 राज्यों से संबंधित हैं जिनमें उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। शेष चार राज्यों में बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश शामिल हैं। वर्तमान में भारत में बाल विवाह के लगभग 22 प्रतिशत मामले हैं जो कि लगातार कम हो रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में महिलाओं में साक्षरता और जागरूकता का बढ़ना, शिक्षा के प्रसार के कारण लड़कियों के प्रति अभिभावकों की सोच में परिवर्तन आना, शहरीकरण में वृद्धि तथा कठोर कानूनों की उपस्थिति को माना जा सकता है।

भारत में बाल विवाह में गिरावट आई है। लेकिन देश में पांच लड़कियों में से एक और छह लड़कों में से एक की अभी भी बचपन में शादी कर दी जाती है। हाल के वर्षों में यह प्रथा कुछ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक प्रचलित हो गई है। दिसंबर 2023 में द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार यह अनुमान लगाने वाले पहले अध्ययनों में से एक है कि राज्य व केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर समय के साथ लड़की और लड़के के बाल विवाह की दर में क बदलाव आया है। अध्ययन में पाया गया कि 1993 से 2021 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर बाल विवाह में गिरावट आई है। बालिका बाल विवाह का प्रचलन 1993 में 49 प्रतिशत से घटकर 2021 में 22 प्रतिशत हो गया। जबकि बालक बाल विवाह 2006 में 7 प्रतिशत से घटकर 2021 में 2 प्रतिशत हो गया। बाल विवाह के प्रचलन में सबसे बड़ी कमी 2006 और 2016 के बीच हुई। सबसे कम कमी 2016 से 2021 के बीच हुई। इन बाद के वर्षों के दौरान छह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में बालिका विवाह में वृद्धि देखी गई।

आंकड़ों से साफ है कि आजादी के 77 साल बाद भी इस देश में महिलाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। हम अपनी बेटियों को बाल विवाह और कम उम्र की गर्भावस्था से नहीं बचा पाए हैं। यही कारण है कि इस देश में 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं और बच्चे एनीमिया (रक्ताल्पता) के शिकार हैं। यूनिसेफ द्वारा जारी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत के कई क्षेत्रों में अब भी बाल विवाह हो रहा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल विवाह की दर में कमी आई है। लेकिन कई प्रदेशों में यह प्रथा अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह की यह कुप्रथा आदिवासी समुदायों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है।

यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्याह पहलू कि ओर इशारा करती हैं। जिसे अक्सर हम रीति-रिवाज व परम्परा के नाम पर अनदेखा करते हैं। देश में बाल विवाह के खिलाफ कानून बने हैं और समय-समय पर उसमें संशोधन कर उसे ओर प्रभावशाली बनाया गया हैं। फिर भी लगातार बाल विवाह हो रहे हैं। अगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। तो इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण है इसके प्रति सामाजिक जागरुकता की कमी। जब तक समाज में बल विवाह रोकने के प्रति जागरूकता नहीं आएगी तब तक यह कुरीति खत्म नही होने वाली है। बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है। सिर्फ कानून के भरोसे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को नहीं रोका जा सकता है। देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से खत्म करना है तो इसके लिए समाज को ही आगे आना होगा तथा बालिकाओं के पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा।

समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक करना होगा। सरकार को भी बाल विवाह की रोकथाम के लिये बने कानून का कड़ाई से पालन करवाना होगा। सरकार को विभिन्न रोजगार के कार्यक्रम भी चलाने होंगे ताकि गरीब परिवार गरीब परिवारों की बच्चियां बाल विवाह का निशाना न बन पाएं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

टी20 वर्ल्ड कप

अनुराग तागड़े

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए सुनहरा मौका

बांग्लादेश में ही आयोजित होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप में 3 से 20 अक्टूबर के बीच कुल 23 मैच खेले जाएंगे। कुल 18 दिनों में 23 मैच बंगाल नेशनल क्रिकेट स्टेडियम ढाका और स्यालहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम स्यालहट में खेले जाएंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों बांग्लादेश के दौरे पर है और वहां भारतीय टीम धमाल मचा रही है। बांग्लादेश की टीम भारतीय टीम के सामने किसी भी मुकाबले में टिक नहीं पा रही। बीसीसीआई ने महिला टी20 वर्ल्ड कप के पूर्व बांग्लादेश का दौरा आयोजित कर बहुत अच्छा किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों बांग्लादेश के दौरे पर है और वहां भारतीय टीम धमाल मचा रही है। बांग्लादेश की टीम भारतीय टीम के सामने किसी भी मुकाबले में टिक नहीं पा रही। बीसीसीआई ने महिला टी20 वर्ल्ड कप के पूर्व बांग्लादेश का दौरा आयोजित कर बहुत अच्छा किया। क्योंकि, बांग्लादेश में ही टी20 महिला वर्ल्ड कप का आयोजन होना है। पांच मैचों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों को बांग्लादेश के पिचों के बारे में अच्छी जानकारी प्राप्त हो गई?और वर्ल्ड कप के दौरान यह जानकारी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना भी अब फार्म में लौटते नजर आ रही है। वहीं, बॉलिंग के क्षेत्र में अपने मध्यप्रदेश की पूजा वस्त्रकार और रेणुका ठाकुर के साथ ही दीप्ति शर्मा, राधा यादव जैसे स्पीनर्स भी है जो किसी भी खेल का रुख बदल सकते है। दरअसल

भारतीय टीम के लिए आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का यह सुनहरा मौका है। भारतीय टीम के साथ आशा शोभना और टीटास साधू जैसी नई बॉलर भी है।

केरल की आशा शोभना ने भारतीय टीम में शामिल होने के लिए वर्षों का इंतजार किया और बांग्लादेश के विरुद्ध चौथे टी20 मैच में भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला। वे वर्ष 2012 में भारतीय टीम में शामिल होने के करीब थी परंतु उनका चयन नहीं हुआ था। उन्होंने लगातार मेहनत की और आज वे अपने मुकाम पर पहुंच गई। अपने पहले मैच में उन्होंने 2 विकेट लिए। मैच के पश्चात उन्होंने साफ कहा कि नेवर गिव अप ... अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत करते रहो और हिम्मत नहीं हारना है। आशा शोभना ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए 33 वर्ष में डेब्यू कर रिकॉर्ड भी बनाया है और भारतीय महिला क्रिकेट टीम में निहित जज्बें और जोश को दुनिया के सामने रखा है।

बांग्लादेश में ही आयोजित होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप में 3 से 20 अक्टूबर के बीच कुल 23 मैच खेले जाएंगे। कुल 18 दिनों में 23 मैच बंगाल नेशनल क्रिकेट स्टेडियम ढाका और स्यालहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम स्यालहट में खेले जाएंगे। ग्रुप-ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हैं। जो अन्य देशों के मैच चल रहे है उनमें से क्वालिफायर-1 शामिल होगा। वहीं ग्रुप-बी में बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज हैं। दरअसल श्रीलंका जैसी टीम को भी क्वालिफायर खेलना पड़ रहा है। क्योंकि, वे गत वर्ष तक निर्धारित आईसीसी मापदंड के अनुरूप नहीं खेल पाई थी।

भारत के मुकाबले

4 अक्टूबर सायं 7 बजे से न्यूजीलैंड के साथ स्यालहट।
6 अक्टूबर को सायं 7 बजे से पाकिस्तान के साथ स्यालहट।
9 अक्टूबर को सायं 7 बजे से क्वालिफायर 1 के साथ स्यालहट।
13 अक्टूबर को सायं 7 बजे से ऑस्ट्रेलिया के साथ स्यालहट।
17 अक्टूबर पहला सेमीफाइनल सायं 7 बजे स्यालहट।
18 अक्टूबर दूसरा सेमीफाइनल सायं 7 बजे से ढाका।
20 अक्टूबर को फायनल सायं 7 बजे से ढाका।

अक्षय तृतीया

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

अक्षय से आनंद

अंग्रेजी अखबार मिंट में प्रकाशित आलेख से अनुदित

मन का उजास ही अक्षय है जो कभी नष्ट नहीं होता। अक्षय का अनुपम स्रोत है उजास और इसे दीपक जलाकर अभिव्यक्त किया जाता है। जब हजारों-हजार दिये एक साथ जलते हैं तो वह उत्सव बन जाता है। विज्ञान भी मानता है कि सामूहिक रूप से किया गया कोई भी कर्म अपनी सकारात्मक स्पंदन प्रक्षेपित करता है और सारा वातावरण ही सकारात्मक हो जाता है।

मॉडर्न फिजिक्स या आधुनिक भौतिक शास्त्र के अनुसार अस्तित्व में जो कुछ भी मौजूद है वह ऊर्जा ही है। दुनिया भर के धर्म कहते रहे हैं कि ईश्वर हर जगह है। चाहे आप यह कहें कि ईश्वर हर जगह है, या आप यह कहें कि हर चीज एक ही ऊर्जा है ये दोनों ही बातें एक ही सच्चाई को बताती हैं। हम सबकी चेतना भी एक ही है क्योंकि हम सिर्फ 40 पीढ़ी पीछे जाते हैं तो हमारे अंदर 10 हजार लोगों का डीएनए है। लेकिन यह जीवन प्रक्रिया अनंत से जुड़ी है, इसलिए हमारे अंदर अनंत भी हैं जो अक्षय है। इसलिए हमें खुद मरने का एहसास भी नहीं रहता है, हमारे अंदर कुछ ऐसा है जो कभी खत्म नहीं होगा। गीता में आत्मा का उल्लेख सर्वपरिचित है। अक्षय तृतीया इसी अक्षय को मनाने का पर्व है। सब कुछ क्षणभंगुर के साथ ही बहुत कुछ अक्षय। विरोधाभास के इस पल को हम सदियों से मनाते आए हैं। इस उपलक्ष्य में दिया जो उजास का प्रतीक है उसका प्रज्वलन करना, इस अनुभूति को कंठस्थ करना है। सामूहिक रूप से किए गए दीप प्रज्जवलन हमारे अंदर नई संचेतना का आभास कराते हैं और मन के पटल पर उठ रहे इच्छा रूपी संकल्पों की पूर्णाहुति में मदद करते हैं।

वर्ष का एक दिन ऐसा होता है जहाँ सब शून्य में बदल जाता है और यही शून्य किसी अंक के साथ जुड़कर उतने ही गुना में परिवर्तित हो जाता है। जैसे एक के साथ मिलकर दस, दो के साथ मिलकर बीस आदि। अक्षय तृतीया को सर्वआयामी इसीलिए कहा जाता हैं जहाँ सब शुभ है। कोई मुहूर्त नहीं, सब मुहूर्त है। इस दिन किया गया कार्य कई गुना में बदल जाता है। सद्विचार, सद्भावना, सत्संग, ध्यान, करूणा, दया, आत्मीयता, प्रेम भी उतने गुना हो जाते हैं जितने आपके अंदर हैं। यहाँ महत्वपूर्ण यह घटता है कि जितनी नकारात्मकता है वह कम होती है, उतने ही गुना जितनी आपके अंदर है। इसलिए जतन यह होना चाहिये कि हमारा रूझान अक्षय तृतीया की पवित्रता को उतारने का हो, मन में किसी प्रकार का संशय नहीं हो। मन में स्पष्टता, हृदय में पवित्रता और कार्यों में नियमितता, ईमानदारी हो तो यह जीवन सबसे सरल हो जाता है। अक्षय तृतीया ऐसा समय है जहाँ भूतकाल की गलतियों, ग्लानियों, लोभ, ईर्ष्या, क्रोध, अहंकार से मुक्ति सहजता से पाई जा सकती है। यह सब शक्ति से संभव है जो हमारे आस-पास विद्यमान है।

भारतीय अवधारणा में हिरण्यगर्भ जिसे पाश्चात्य विज्ञान बिग बैंग के रूप में देखता है, से अस्तित्व में आए इस दृष्यादृष्य जगत के सभी प्रपंच चाहे वह जड़ हों या चेतन, सभी निर्विवाद रूप से शक्ति के ही परिणाम हैं। हम सभी का श्वांस-प्रश्वांस प्रणाली, रक्त संचार, हृदय की धड़कन, नाड़ी गति, शरीर संचालन, सोचना समझना, सभी कुछ शक्ति के द्वारा ही संभव होता है। जो कुछ भी पदार्थ के रूप में हैं, उनके साथ-साथ हम सभी पंचतत्वों यानी क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा से बने हैं। उदाहरण के लिए जल में द्रव यानी गीला करने की शक्ति है, अग्नि में दाह यानी जलाने की शक्ति है, वायु में स्पर्श की शक्ति है, मिट्टी में गंध की शक्ति है और आकाश में शब्द की शक्ति है। प्रकाश और ध्वनि में तरंग की शक्ति है। सृष्टि में सृजन की शक्ति है और प्रलय में विसर्जन की शक्ति है। प्राण में जीवन शक्ति है।

आइंस्टीन का इनर्जी-मैटर समीकरण ई = एमसी का वर्ग के अनुसार भी संसार के सभी द्रव्य ऊर्जा की संहति के ही परिणाम हैं। यहाँ तक कि पदार्थों का स्वरूप परिवर्तन भी ऊर्जा की विभिन्न गत्यात्मकता से ही संभव होता है। इन सभी क्रियाओं से ऊर्जा न तो खर्च होती है और न ही उसका ह्रास होता है, वह सदैव विद्यमान रहती है। यह सनातन है, यह अक्षत है। ईशावास्योपनिषद में कहा है पूर्णमिदः। इसका अर्थ है कि वह भी पूर्ण है और यह जगत् भी पूर्ण है। पूर्ण से पूर्ण प्रकट होता है और फिर भी पूर्ण शेष बच जाता है। पूर्ण से पूर्ण निकल जाए, फिर भी पूर्ण शेष बचे, वही ईश्वर है।

विज्ञान और प्राचीन ज्ञान की अवधारणाओं के इसी चक्र में यह महत्वपूर्ण है कि हम अक्षय यानि की उस कभी समाप्त न होने वाले तत्व की आराधना करते हैं जो अनंत भी है। और यद् पिण्डे तद् ब्रह्माण्डे के तहत सभी मानव में भी वही उर्जा है, वही पूर्णता है जो पूरे ब्रह्माण्ड में नियत है। कण-कण में भगवान भी इसी तथ्य का आयोजन है कि सर्वत्र देवत्व है। हम जब पूजा करते हैं तो वही देवत्व जीवंत हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को आराधना, नव सृजन, दीप प्रज्जवलन से जोड़ा गया है। एक अंधकार युक्त कमरे को प्रकाशवान करने के लिए सिर्फ एक दिये की आवश्यकता है। हमें भी अपने अक्षय स्रोत से मिलने के लिए सिर्फ ज्ञान के उजास की आवश्यकता है। आईये एक दिया आज प्रज्वलित करते हैं देह की देहरी पर भी और मकान की देहरी पर भी।

अक्षय तृतीया और चुनाव

अमिताभ स.

लेखक स्तंभकार हैं।

जब चमकता सोना बना चुनावी नारा

भारतीयों की रग- रग में बसे सोने ने देश के चुनावी इतिहास में, किसी भी पार्टी पर पहली बार सोने ने अपना रंग जमाया था। वैसे, 1991 के लोकसभा चुनावों में, राजीव गांधी ने चांदी को अपने एक छुटपुट नारे में जरूर जगह दी थी। तब नारा था - 'चार चवन्नी चांदी की, जय बोलो राजीव गांधी की।' खासा बचकाना होने की वजह से, चांदी का नारा लोकप्रिय नहीं हो सका था। लेकिन सोने का नारा खूब चर्चित और लोकप्रिय हुआ। क्योंकि इसके पीछे सच्ची, सुनहरी और गौरवमय दास्तान थी। जाहिर है कि 1990 के 5 सालों के दौरान, भारत में सोने की दुनिया सचमुच बदल गई थी। 1990 में, स्वर्ण नियंत्रण कानून यानी गोल्ड कंट्रोल एक्ट के अंत के साथ- साथ 1992 में, सोने के आयात नियमों में रियायतों- छूटों से यह मुमकिन हो सका था। स्वर्ण नियंत्रण कानून बेशक वी. पी. सिंह सरकार ने हटाया, लेकिन 1992 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव सरकार के शीर्ष अर्थशास्त्री और वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा घोषित स्वर्ण आयात नीति के अनुसार 6 महीने प्रवास बिताकर स्वदेश लौटने वाले प्रवासी भारतीय को एक बार 5 किलोग्राम तक सोना आयात करने की छूट दी गई, जिस पर 220 रुपए प्रति 10 ग्राम आयात शुल्क विदेशी मुद्रा में अदा करना होता था।

संयोग से, इस बार चुनावी मौसम के बीच सोना ख़रीदने का महापर्व अक्षय तृतीया आया है। और फिर, सोने के भाव पिछले महीने ही पहली बार 75 हजार प्रति 10 ग्राम पार कर गए। ऐसे में, उस दौर में चलते हैं, जब अपने देश के आम चुनावों में चमचमाता सोना चुनावी नारा बना था। साल था 1996, और आम चुनावों में तब बीते 5 सालों के दौरान देश में सोने की बढ़ती खपत के मद्देनजर कांग्रेस (इ) ने सुनहरा और लुभावना नारा बुलन्द किया था- 'देश का सोना वापस आया, फिर भारत दुनिया में छाया!' एक साथ जारी चार देशव्यापी चुनावी नारों में कांग्रेस (इ) का यह नारा लीक से हट कर था। असल में, कभी सोने की चिड़िया रहे भारत में 1990 के पहले 5 सालों में रिकार्ड सोने की ख़रीदारी हुई थी। इसका समूचा श्रेय कांग्रेस (इ) के भारत रत्न प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव को ही जाता है।

भारतीयों की रग- रग में बसे सोने ने देश के चुनावी इतिहास में, किसी भी पार्टी पर पहली बार सोने ने अपना रंग जमाया था। वैसे, 1991 के लोकसभा चुनावों में, राजीव गांधी ने चांदी को अपने एक छुटपुट नारे में जरूर जगह दी थी। तब नारा था - 'चार चवन्नी चांदी की, जय बोलो राजीव गांधी की।' खासा बचकाना होने की वजह से, चांदी का नारा लोकप्रिय नहीं हो सका था। लेकिन सोने का नारा खूब चर्चित और लोकप्रिय हुआ। क्योंकि इसके पीछे सच्ची, सुनहरी और गौरवमय दास्तान थी। जाहिर है कि 1990 के 5 सालों के दौरान, भारत में सोने की दुनिया सचमुच बदल गई थी। 1990 में, स्वर्ण नियंत्रण कानून यानी गोल्ड कंट्रोल एक्ट के अंत के साथ- साथ 1992 में, सोने के आयात नियमों में रियायतों- छूटों से यह मुमकिन हो सका था। स्वर्ण नियंत्रण कानून बेशक वी. पी. सिंह सरकार ने हटाया, लेकिन 1992 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव सरकार के शीर्ष अर्थशास्त्री और वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा घोषित स्वर्ण आयात नीति के अनुसार 6 महीने प्रवास बिताकर स्वदेश लौटने वाले प्रवासी भारतीय को एक बार 5 किलोग्राम तक सोना आयात करने की छूट दी गई, जिस पर 220 रुपए प्रति 10 ग्राम आयात शुल्क विदेशी मुद्रा में अदा करना होता था।

नतीजतन भारत के सोना बाजार का विस्तार होता गया। साल 1993 तक सोने की खपत के मामले में, भारत का दुनिया में दूसरा स्थान रहा। अगले साल 1994 में ही भारत पहले नम्बर पर आया। लंदन की 'गोल्ड फील्ड्स मिनरल सर्विसेज लिमिटेड' की रिपोर्ट के बताया कि 1994 में भारतीय उपभोक्ताओं ने कुल 415 टन सोना खरीदा। दूसरे नम्बर पर अमेरिका रहा, जिसने 283 टन सोना खरीदा। जबकि 1992 में भारत में 218 टन सोने की खपत हुई थी। उस साल इटली में 450 टन सोना खपा था। उधर 1994 में, दूरदर्शन पर भी सोने के विज्ञापनों की सुनहरी शुरुआत की गई। इससे पहले लगातार 20 वर्षों तक दूरदर्शन और आकाशवाणी सरकारी संचार माध्यमों पर सोने के विज्ञापनों पर सख्त रोक रही। दूरदर्शन के डी.डी. मैट्रो चैनल पर सोने के गहनों का पहला विज्ञापन 8 अक्टूबर 1994 को प्रदर्शित हुआ। इसी दौरान, भारतीयों में सोने के प्रति मोह और ललक बरकरार रखने के उद्देश्य से, एक अंतरराष्ट्रीय संस्था 'वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल' भारत उतरी और अकेले 1994-95 में, सोने की ख़रीदारी को प्रचारित करते विज्ञापनों पर 2 करोड़ रुपए खर्च किए।

बहरहाल, साल 1995 में भारत में 474 टन सोने की रिकार्ड खपत हुई। भारत दुनिया भर में सोने की खपत पर पहले स्थान पर कायम रहा। अगला साल भी सुनहरा रहा, सोने की भारतीय खपत बढ़ कर 507 टन पार कर गई। 'वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल' का अनुमान रहा कि सन् 2000 तक भारत में 1000 टन सोने की सालाना खपत होगी, और हुई भी। शायद इसीलिए कांग्रेस (इ) ने सोने को चुनावी नारा बनाने की पहल की थी। फ़िलहाल, सोने की खपत के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे नंबर पर चल रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक़ 2022 में भारतीयों ने 774 टन सोना ख़रीदा, जबकि बीते साल 2023 में सोने की खपत गिरी और 747.5 टन सोने की खपत हुई।

सोने का नारा रंग तो नहीं दिखा पाया, और कुछ साल गठबंधन सरकारों के जोड़- तोड़ के बाद आखिरकार अटल सरकार ने सत्ता संभाल ली। लेकिन 2004 के आम चुनावों में अटल बिहारी वाजपेयी का 'इंडिया शाइनिंग' का चमचमाता नारा भी जादू नहीं दिखा सका।

सैम पित्रोदा की विभाजनकारी कुटिल दृष्टि व अविवेकी प्रलाप

दूर अमरीका में अपना डेरा डालकर हम भारतीयों के बारे में जो अविवेकपूर्ण और

ध्रुव शुक्ल

निंदनीय बयान सैम पित्रोदा ने दिया है, वह उनकी यूरोपीय सभ्यता से प्रभावित कुटिल और विभाजनकारी इतिहास दृष्टि का प्रमाण है।

सैम पित्रोदा जी,सदियों से भारत में बसा जीवन उत्तर से दक्षिण तक एक साध्य वीणा की तरह सधा हुआ है और पूरब से पश्चिम तक प्रकाश के पथ पर है। सदियों पहले भारत की उत्तर दिशा से उठा तत्वज्ञान का स्वर दक्षिण के कलाप्रवण हृदय से मिला हुआ है। इसके प्रमाण हमारी कला, दर्शन और साहित्य में मिलते हैं।

हम भारत के लोगों ने यूरोपियों की तरह अपनी पहचान नश्वर शरीर और उसकी त्वचा के रंग से नहीं बनायी है। हम तो जीवन के उस महासागर की लहरों पर सवार हैं जिससे उठने वाले लोक-हितकारी मेघ पूरे भारत की धरती पर बसे और सप्त सुरों से अभिशिक्त जीवन को प्रत्येक संवत्सर में सींचते हैं। पूरब दिशा के अरुणाचल से ही भारत के नभ के ललाट पर सूर्य की पहली किरण जगमगाकर पूरे देश को प्रकाशित करती है।

सैम पित्रोदा जी, भारत के जीवन का पड़ोस हर दिशा में राग, अभिनय, शिल्पकला और शब्द-विद्या के चतुर्मुख ज्ञान-संवेदन से आबद्ध है। आपको अपने अविवेकी प्रलाप पर पश्चाताप करना चाहिए।

परशुराम जयंती पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

भगवान परशुराम के जीवन चरित से क्या सीखा जाये

भगवान परशुराम जी के जीवन चरित से सीख लेने और उनसे प्रेरणा लेने के लिये हमें व्यापक रूप से सही अर्थों में उन्हें समझकर अपने जीवन पथ पर उतारना होगा। दरअसल परशुराम जी को केवल ब्राह्मण समाज के अध्येता समझना बड़ी भूल होगी। मान्यता अनुसार परशुराम को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है। परशुराम, ऋषि जमदग्नि और रेणुका के पुत्र थे जिन्होंने अपने पिता के कहने पर अपनी माता रेणुका का सिर धड़ से अलग कर दिया था। आम तौर पर परशुराम जी को लेकर यही समझ जन सामान्य में बनती रही है। लेकिन उन्होंने अपने पिता से अपनी माता को पुनः जीवित करने की प्रार्थना की और ऐसा ही हुआ भी।

भगवान परशुराम के बारे में तुलसी कृत श्री राम चरित मानस में यही लेख मिलता है कि सीता स्वयंवर में हुए भगवान शंकर के धनुष भंग से वे बहुत क्रोधित होकर राजा जनक के यहां पहुंचे थे। यहां लक्ष्मण जी से उनका वाद विवाद होता है और प्रभु श्रीराम अपने अनुज को ही समझाते बुझाते हैं। बाद में प्रभु श्री राम को अवतार के रूप में मानने के लिये वे धनुष पर प्रत्यंचा चढ़वाकर सन्तुष्ट होते हैं। मानस में कहा गया है 'राम रमापति कर धन लेहू खेचऊ मिटे मोर संदेहू।'

दूसरी ओर महाभारत में वर्णित है कि परशुराम केवल ब्राह्मण को शस्त्र विद्या में पारंगत करते थे लेकिन दानवीर कर्ण उनसे ब्राह्मण का रूप धारण कर शिक्षा प्राप्त करते हैं। जब एक समय भगवान परशुराम विश्राम कर रहे थे और उनका मस्तक कर्ण के घुटने पर रखा था तभी एक भंवरे ने कर्ण के पैर में काट लिया जिससे उन्हें पीड़ा होते हुए भी वे बगैर हिले डुले उसी मुद्रा में बैठे रहे,यह सोचकर कि परशुराम जी के विश्राम में अवरोध ना हो। परशुराम के जागने पर उन्होंने कर्ण से पूछा कि अपना वास्तविक परिचय दो क्योंकि ब्राह्मण इतना कष्ट सहकर नहीं रह सकता। वास्तविकता जानकर उन्होंने कर्ण को श्राप दिया कि जब उन्हें उनकी सिखाई विद्या की सबसे ज्यादा जरूरत होगी तब वे उसे भूल जायेंगे। महाभारत के अनुसार ऐसा ही हुआ भी और यही कर्ण की मृत्यु का कारण बनता है।

बीते डेढ़ दो माह से टेलीविजन के एक निजी चैनल पर जिज्ञासा वश भगवान परशुराम जी के जीवन चरित पर केंद्रित धारावाहिक देख रहा हूं। इस सीरियल में वर्णित घटनाक्रम पर भले ही उसकी प्रामाणिकता पर कोई सवाल खड़े कर सकता है लेकिन मेरी द्रष्टि में निर्माता ने अदभुत प्रयास किया है जिसकी सराहना की जाना चाहिये। इस सीरियल में लंकेश रावण, उसकी पत्नी मन्दोदरी, सबरी, कामधेनु, नलनील, सहस्त्रबाहु, सुग्रीव , कागराज, दुर्वासा सहित अन्य ऋषि मुनियों से जुड़े विविध घटनाक्रम सहित परशुराम द्वारा रावण की कुण्डली के विभिन्न भाग को प्राप्त करने हेतु किये गये

उपायों का बहुत सुंदर वर्णन किया गया है। घने जंगल के बीच फिल्माए गए दृश्य बहुत सुंदर और तकनीकी दृष्टि से इसे उत्कृष्ट बनाते है।

इसे मध्यप्रदेश का सौभाग्य कहा जाना चाहिये कि महू , इंदौर के नजदीक स्थित जानापाव में भगवान परशुराम का सुंदर मंदिर अवसिथत है। राज्य सरकार ने पूर्व में यहां के विकास के लिये पहल की थी। इसके चलते और जन्मस्थली होने से यह स्थान और भी अधिक जाना जाने लगा है। भोपाल में श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर के समीप भगवान परशुराम का मंदिर है। यहां परशुराम प्राकट्योत्सव दिवस अक्षय तृतीया पर भव्य आरती तथा पूजा अर्चना की जाती है। हाल के वर्षों में ब्राह्मण समाज में आई जागरूकता से अब छोटे शहरों और कस्बों में भी परशुराम जयंती मनाई जाने लगी है। इस अवसर पर शोभा यात्रा निकाली जाती है।

बीते दिनों हमने भोपाल में अलग-अलग स्थानों पर विद्वजनों के मुखारविंद से श्रीमद भागवत कथा और राम चरित मानस के विविध सरस प्रसंगों को सुना। उनमें भी ब्राह्मणों के महत्व और समाज को उनके योगदान को रेखांकित करने वाली सारगर्भित बातें सुनने को मिली। मानस में कहा गया है 'विप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार' प्रभु श्री राम का अवतार ब्राह्मण, गोमाता, देवताओं और संतों के व्यापक हित में हुआ था। भागवत कथा अनुसार सुदामा नामक ब्राह्मण भगवान श्रीकृष्ण का सखा था लेकिन ग़रीबी में गुजारा कर भी आत्म सम्मान के चलते कभी श्री कृष्ण से मदद की गुहार नहीं लगाई। जब सुदामा अपनी पत्नी के समझाने पर श्री कृष्ण से मिलने पहुंचे तो राजपाठ, ऐश्वर्य समेत बगैर मांगे सब कुछ पा लिया। रुक्मणी प्रभु श्री कृष्ण से विवाह करना चाहती थी परंतु उनका विवाह शिशुपाल के संग होने जा रहा था। तब रुक्मणी की पाती लेकर एक ब्राह्मण ही श्री कृष्ण के समक्ष पहुंचे थे, इस तरह रुक्मणी की मनोकामना पूरी हुई। प्रभु श्री कृष्ण ने स्वयं कहा था 'विप्र प्रसादात धरणी धरोहम, विप्र प्रसादात कमला वरोहम' और ब्राह्मण से जाने बैर करो कोउ, ब्राह्मण से परमात्मा भी हारयो।'

कथाओं के दौरान विद्वजनों ने कहा कि ब्राह्मण, पुरोहित वह है जो सभी का हित करने वाला हितैषी होता है। ब्राह्मणों का कार्य भी एक तरह से तकनीक से जुड़ा है लेकिन डॉक्टर, इंजीनियर, वकील आदि सभी की परामर्श फीस निर्धारित होती है परंतु ब्राह्मण यदि अपने काम का उचित पारिश्रमिक मांग ले तो यजमान लोगों को अच्छा नहीं लगता। समाज में यह सबसे बड़ी विडम्बना है। हालांकि यह भी सच है कि ब्राह्मणों में भी दो वर्ग बन गये हैं, एक वो जो पढ़ लिखकर नौकरी आदि पाकर शहरों, कस्बों में बस गये हैं। दूसरे जो छोटे कस्बों और गांवों में रहकर पुरोहित कार्य या किसी मंदिर की पूजा कर जीविकोपार्जन चला रहे हैं। इनकी स्थिति पर गौर करने की जरूरत है। हालांकि इसके अपवाद भी हो सकते हैं।

चार पोलिंग केंद्रों पर हो रहे पुनः मतदान, केंद्रों के लिए मतदान दल रवाना

पहली बार एक हाथ की दो उंगलियों पर लगेंगे चुनाव निशान

बैतूल/मुलताई। मुलताई विधानसभा 129 के प्रभात पट्टन विकास खंड के 4 मतदान केंद्रों पर शुक्रवार 10 मई को पुनर्मतदान होगा। और मुलताई क्षेत्र के इतिहास में पहली बार चार मतदान केंद्रों के मतदाताओं के एक ही हाथ की दो उंगलियों में मतदान की स्थायी का निशान दिखाई देगा। एसडीएम तृप्ति पटैरया ने बताया कि जिन 4 मतदान केंद्रों फिर से मतदान होना है वहां 7 मई को हुए मतदान में दाएं

हाथ की तर्जनी उंगली पर शाही का निशान लगाया गया था अब उसी हाथ की मध्यमा उंगली पर मतदान की स्हायी का निशान लगाया जाएगा। बता दे की पुनः मतदान के आदेश भारतीय निर्वाचन आयोग के सचिव संदीप कुमार ने पत्र के माध्यम से दिए थे जिसके बाद बैतूल जिला कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने पुनः चुनाव के आदेश जारी कर दिए । आज फिर से चुनाव कराने के लिए तैयारी पूरी कर मतदान दलों को अपने गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है। चारो मतदान केंद्रो पर पुनर्मतदान के लिए चुनाव सामग्री लेकर मतदान दल बस से रवाना हो चुके है। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति पटैरया ने जानकारी देते हुए बताया की शुक्रवार 10 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक राजापुर मतदान क्रमांक 275, दुदर रय्यत मतदान केंद्र क्रमांक 276 , कुंदा रय्यत मतदान केंद्र क्रमांक 279, चीचली माल मतदान केंद्र क्रमांक 280 चार मतदान केंद्र पर के मतदाता फिर से अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि 7 मई की रात में ईवीएम और मतदानकर्मियों को लेकर लौट रही बस में आग लग गई थी। जीसमें 4 ईवीएम पूरी तरह जल गईं। जिसके कारण पुनर्मतदान करवाया जा रहा है।

पुर्न-मतदान क्षेत्र में 10 मई को सार्वजनिक तथा सामान्य अवकाश

बैतूल। बैतूल लोकसभा के मुलताई विधानसभा में 4 मतदान केन्द्रों राजापुर, डूडर रैय्यत, कुंदा रैय्यत और चिखलीमाल पर 10 मई को पुर्न-मतदान होना है। राज्य शासन के आदेशानुसार इन 4 केन्द्रों में मतदान के लिए 10 मई को सार्वजनिक अवकाश एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है।

दैनिक वेतन भोगी/आकस्मिक श्रमिकों को भी सवैतनिक अवकाश

पुर्न-मतदान के अनुक्रम में उपरोक्त चार मतदान केन्द्रों पर मतदान के लिए इस क्षेत्र के ऐसे मतदाता जो किसी भी व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी स्थापना में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया गया है। इस प्रावधान के अंतर्गत दैनिक वेतन/ आकस्मिक श्रमिक भी मतदान दिवस पर मजदूरी सहित अवकाश के हकदार होंगे। इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोजकों के विरूद्ध दण्ड का प्रावधान है।

श्रीश्री रविशंकर का जन्मोत्सव 12 को

हर्षोल्लास से आर्ट ऑफ लिविंग मनाएगा जन्मदिवस

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के जन्मोत्सव पर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा 12 मई, रविवार शाम 7:30 बजे राम कृष्ण बगीया में भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें संस्था के प्रशिक्षक एवं गायक रोहित श्रीधर बैंगलौर द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति के साथ ध्यान भी करवाया जाएगा। संस्था की कल्पना शाह ने सभी से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जहर खाने से युवती की मौत

बैतूल। एक युवती ने जहर खा लिया था। परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्ट्म कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जयश्री पिता मलकराम धुर्वे उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम खेड़ी देवनाला थाना मुलताई युवती ने 6 तारीख सोमवार के दिन अज्ञात कारणों से घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था।इसकी जानकारी परिजनों को लगी तो परिजन युवती को गंभीर हालत में पहले मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद युवती को 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बैतूल रेफर कर दिया गया था। जिला अस्पताल के आईसीयू वार्ड में युवती का उपचार किया जा रहा था जहां पर इलाज के दौरान युवती की बीती रात इलाज के दौरान मौत हो गई। फिलहाल शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है वही युवती ने किन कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन किया है यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुंए में मिला सर, हाथ कटे युवक का शव, क्षेत्र में सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

मुलताई। निकटतम ग्राम नरखेड एवं शेरगढ़ के मध्य स्थित खेत के कुएं में एक युवक की सर और हाथ कटी लाश मिली है। जिससे संपूर्ण क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार नरखेड एवं शेरगढ़ मार्ग पर स्थित अशोक विश्वकर्मा के खेत मे बने कुएं में ग्रामीणों को युवक का शव दिखाई दिया। शव बहुत ही खराब स्थिति में था और शव का हाथ एवं सर नहीं था। युवक ने ट्रैकसूट जैसा पैंट शर्ट पहन रखा था और शव बगैर मुंडेर के कुएं में पानी के ऊपर तैर रहा था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी इसके बाद शुक्रवार को शव बाहर निकाला गया। शव के साथ ही युवक की चप्पल भी मिली है ग्रामीणों का मानना है कि कुएं में शव लगभग 20 दिन पहले डाला गया होगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है और शव को परीक्षण हेतु भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 मई को: विधिक अध्यक्ष श्री प्राण

लोक अदालत में निर्णय दिल से लिए जाते हैं

बैतूल। लोक अदालत की कल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल प्लेटफार्म की अहम भूमिका है और आप लोगों के सहयोग से ही हम अपनी बात जन-जन तक पहुंचा सकते है। यह बात बैतूल के जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण ने 11 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के संदर्भ में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। न्यायाधीश श्री प्राण गुरुवार को न्यायालय परिसर स्थित विधिक सेवा प्राधिकरण के भवन में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय बैतूल एवं तहसील न्यायालय मुलताई, भैंसदेही, आमला में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत न्यायालयों में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री महजबीन खान एवं विधिक सलाहकार श्री सोमनाथ भी उपस्थित थे।

उक्त लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला मुख्यालय बैतूल एवं तहसील स्तर मुलताई, भैंसदेही एवं आमला पर लगभग 3063 लंबित

प्रकरणों एवं आज दिनांक तक 5622 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकरण हेतु रेफर किए गए है, जिसके लिए 20 खण्डपीठों का गठन किया गया है। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने पर कोर्ट फीस की पूर्ण वापसी हो जाती है, न्यायालय प्रक्रिया में लगने वाले समय एवं धन की बचत तथा आपसी कटुता का अंत हो जाता है।

लोक अदालत की पूर्व तैयारियों के तहत समस्त न्यायाधीशगणों, प्रशासन स्तर की बैठके, बैंक शाखा प्रबंधकों, बीएसएनएल विभाग, नगर पालिका, विद्युत विभाग, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ एवं अन्य समस्त न्यायाधीशगण तथा प्रतिदिन बीमा कंपनी व क्लेमेंट अधिवक्ताओं के साथ न्यायाधीशगणों की उपस्थिति में प्रीसिटिंगों का आयोजन किया जा रहा है।

एक प्रश्न के उत्तर में न्यायाधीश एवं विधिक आयोग के अध्यक्ष श्री प्राण ने कहा लोक अदालत के मामले अधिकतर पारिवारिक होने के कारण अत्यधिक संवेदनशील होते है। इनके बारे में पूर्व से मीडिया को सूचना देना अथवा समझौते तथा निर्णय के बाद सूचना देना भी असमंजस भरा होता है। पारिवारिक मामलों में हुए निर्णय को परिवार वाले स्वयं सामाजिक स्तर पर किसी को बताना नहीं चाहते।

आमजन के लिए हो सहज माहौल- न्यायाधीश श्री प्राण ने कहा कि आमजन और अदालत के बीच एक लंबी दूरी महसूस की जाती रही है। इस दूरी को खत्म करने के लिए जरूरी है कि स्कूली छात्र-छात्राओं को न्यायालय भवन का भ्रमण कराया जाए। यहां की कार्य प्रणाली से वे अवगत हों। कानून और पुलिस जो आम जनता के लिए ही काम करती है और आज जनता से ही दूरी बनाकर रखते है। इनके बीच एक विश्वास और मित्रता का माहौल होना चाहिए। ना जनता जानना चाहती है और ना ही पुलिस और कानून अपने बारे में उन्हें बताना चाहता है। इस भय के वातावरण को समाप्त करना होगा।

दिल और दिमाग- न्यायाधीश श्री प्राण ने कहा लोक अदालतों के माध्यम से लोगों के पारिवारिक झगड़े एवं समस्याओं को अदालत के बाहर ही समझौते के माध्यम से निपटाने का प्रयास किया जाता है। अदालत में निर्णय आंखों से देखने के बाद भी साक्ष्यों पर आधारित होता है। लोक अदालत में निर्णय दिमाग नहीं दिल से किए जाते है। उन्होंने कहा कि लोक अदालतों में लोगों को चाहिए कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने प्रकरणों का निराकरण करवायें।

जिनकी कथा से जीवंत हो जाता है त्रेता और द्वापर युग, पंडित निर्मल कुमार शुक्ल की अभिनव कथा शैली श्रोताओं को कर रही मंत्रमुग्ध

बैतूल। उभरा हुआ..विस्तारित ललाट..और उस पर प्रकाशित वैष्णवी तिलक की तीनों रेखाएं, मानों ब्रह्मा-विष्णु-महेश का आशीष हों और ऐसे ही ललाट पर धर्म के शुभ-लाभ की तरह चमकती आंखें ..वहीं जिह्वा पर विराजमान मां सरस्वती..जिनका हर एक स्वर न सिर्फ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करता है बल्कि कथा के प्रवाह को एक गहरी नदी की तरह अपने सागर तक बहा ले जाता है..कुछ ऐसी ही छवि है, पंडित निर्मल कुमार शुक्ल की। एक हजार से अधिक राम कथाएं कर चुके पंडित शुक्ल जब व्यास गादी पर विराजित होकर राम कथा कहते हैं तो ऐसा लगता है मानों त्रेतायुग जीवंत हो उठा। हर चौपाई के हर शब्द का सटीक उच्चारण और उसका वैसा अर्थ जो व्यक्ति को आज के जीवन में काम आए। भगवान राम से लेकर केवट, शबरी और रावण-मेघनाद तक के आयामी व्यक्तित्व का स्वरूप भले ही वो अपने मुखारविंद से प्रस्फुटित करते हों लेकिन मां सरस्वती की कृपा से वह व्यक्तित्व साक्षात स्वरूप में उपस्थित हो जाता है। कुछ ऐसा ही भागवत के वाचन के समय होता है।

यही कारण है कि जो भी धर्मप्रेमी पंडित शुक्ल की कथा में एक बार बैठ जाता है वो उसमें कुछ इस तरह डूब जाता है उठ नहीं पाता। फिर अगले दिन

प्रभु राम का आशीष और पंडित जी के स्वर उसे वापस कथा की ओर खींच लाते हैं। पंडित निर्मल का जैसा नाम है वैसा ही उनका हृदय 'निर्मल' है। इसलिए वनवास का प्रसंग सुनाते समय न सिर्फ उनकी वाणी भारी हो जाती बल्कि आंखें भी सजल हो जाती हैं वहीं राक्षसों के वध की चौपाई सुनाते समय वही सजल नयन ज्वाला निकालने लगते हैं।

यूं तो आजकल बहुत कथाकार हो गए हैं और सभी प्रभु कृपा से प्रभु चरित का वाचन करते हैं लेकिन पंडित निर्मल कुमार व्यास पर जिस तरह मां सरस्वती की कृपा बरसी है उसके चलते ही लगभग सभी प्रमुख ग्रंथ और शास्त्र उन्हें कंठस्थ है। बिना एक घूंट जल लिए अविरल कथा उनके मुख से घंटों प्रवाहमान होती रहती है। सुंदर भजन नदी की तरह बहती उनकी कथा में सुंदर घाटों की तरह लगते हैं जहां प्रवाह रुकता नहीं अपितु संवर जाता है।समय का यदि संकट न हो तो एक प्रसंग पर ही कई सप्ताह तक हर एक पहलू के साथ कथा सुनाने में पारंगत पंडित निर्मल कुमार शुक्ल एक अच्छे लेखक भी हैं। धर्म की विवेचना पर करीब आधा दर्जन किताबें लिख चुके पंडित शुक्ल मूलतः रहने वाले तो उत्तर प्रदेश के हैं लेकिन महाराष्ट्र में लगातार कथाओं के चलते उनका निवास महाराष्ट्र के वाशिम में भी है।महराज श्री कुशल कवि लेखक व साहित्यकार हैं। आपके द्वारा अभी तक मारुती महिमा, महासिंधु,,बाबा भीष्म,, तुलसी स्तवन, लवकुश, और प्रेमी भरत आदि ग्रंथ प्रकाशित हो चुके हैं।आपने भारत के चारों धामों सहित काठमांडू जनकपुर, अयोध्या, वृंदावन, हरिद्वार, काशी आदि तीर्थों में अनेकों बार कथा संपन्न कर चुके हैं।अपनी 50 वर्षों की अखंड कथा यात्रा में अब तक आप 1000 राम कथा 400 भागवत कथा शिव पुराण और देवी भागवत व वाल्मीकि रामायण की अनेकों कथाएं संपन्न कर चुके हैं।

भोंडदेही एवं बड़मंगरा के ग्रामीणों ने भी किया चुनाव का बहिष्कार

बैतूल। लिखड़ी ग्राम पंचायत के आदिवासी बाहुल्य ग्राम भोंडदेही एवं बड़मंगरा के ग्रामीणों ने कल 7 मई को लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया। सड़क की समस्या को लेकर किए गए बहिष्कार में भोंडदेही को बड़मंगरा के ग्रामीणों का भी साथ मिला। आदिवासी ग्राम बड़मंगरा के ग्रामीणों ने भोंडदेही के ग्रामीणों की समस्या को समर्थन देते हुए मतदान का

बहिष्कार किया। बूथ क्रमांक- 192 दोनो ग्राम के ग्रामीणों का मतदान केंद्र था। जब सुबह से ही मतदान केंद्र पर ग्रामीण नही पहुंचे तो प्रशासन ने ग्रामीणों को लगातार समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण टस से मस नहीं हुए। आमला तहसीलदार पूनम साहु, जनपद सीईओ संजीत श्रीवास्तव ने वंहा पर ग्रामीणों को काफी समझाने के प्रयास किए, लेकिन ऐसा लगा कि ग्रामीण पहले से ही चुनाव के बहिष्कार का पक्का मन बना चुके थे। लिखडी ग्राम पंचायत सचिव खेमराज सूर्यवंशी ने बताया कि बूथ क्रमांक 192 पर भोंडदेही और बड़मंगरा ग्राम के लोग मतदान करते है। ग्रामीणों ने जिस सड़क की समस्या को लेकर वहिष्कार किया, वह भोंडदेही से छिपन्या पिपरिया तक बननी है। सड़क निर्माण को लेकर प्रक्रिया जारी है। इस मामले में जनपद सीईओ संजीत श्रीवास्तव से उनके मोबाइल पर सम्पर्क किया, परन्तु स्विच ऑफ होने से चर्चा नही हो सकी।

मासोद शासकीय सुलभ शौचालय में पकड़ाई 6 पेटी बियर ,पुलिस कर रही है जांच

मुलताई। मासोद ग्राम पंचायत के तिराहे पर स्थित शासकीय सुलभ शौचालय से पुलिस ने 6 पेटी बियर बरामद की है। यह बियर की पेटियां गोवर्धन मायवाड़ की शिकायत पर पकड़ी गई है। बताया जा रहा है कि मासोद में बना सुलभ शौचालय नवनिर्मित है जिसमें ताले लगे हुए थे। कुछ लोगों ने इसमे बीयर और शराब की पेटी रख दी शिकायतकर्ता गोवर्धन मायावाड ने बताया कि कुछ ही समय पहले दो मोटरसाइकिल से तीन-तीन पेटी शराब कुछ लोगों द्वारा मोटरसाइकिल से इस सुलझ शौचालय के कमरे से लेगई है। जानकारो का मानना है कि यह शराब कहां से आई थी और क्यों यह पता लगाना पुलिस के लिए बहुत आसान है बियर की बोतलों के बेच नंबर से बियर का पता लगाया जा सकता है। किंतु पता लगा लेने के बाद में भी शराब ठेकेदारों पर कार्रवाई हो पाएगी कहना कठिन है। बता दे की हाल ही में ग्राम गौला में मतदान दल की बस में लगी आग के कारण चार मतदान केदो की ईवीएम मशीन जल गई थी जहां कल 10 मई को चुनाव होना है और जहां कल मतदान होना है वह क्षेत्र मुलताई विधानसभा के पट्टन ब्लाक के मासोद ग्राम पंचायत से लगे हुए मतदान केंद्र है। राजापुर, कुंदा रय्यत ,चीचली माल इस स्थिति में यह मामला संवेदनशील हो जाता है और पुलिस को चाहिए कि वह गंभीरता से ले। मसोद थाना प्रभारी एसआई बसंत अहाके ने बताया कि गोवर्धन मारवाड़ की शिकायत पर 6 पेटी बियर पकड़ी हैं जिसकी जांच की जा रही है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया महाराणा प्रताप का जन्मोत्सव

बैतूल । क्षत्रिय महासभा राजपूत समाज अखंड भारत के तत्वाधान में संपूर्ण राजपूत समाज द्वारा बैतूल नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का जन्म उत्सव 9 मई को कोठी बाजार स्टेडियम के सामने अभिनंदन सरोवर पार्क में स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा के समक्ष महाराणा प्रताप जन्मोत्सव आतिशबाजी करके के हषोल्लास के साथ मनाया गया, दो नन्ही बालिकाओं ने तलवार से केक काटा तत्पश्चात समाज के वरिष्ठजनों ने महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा पाठ किया कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए ठाकुर जगदीश सिंह राघव जी ने अपने उद्बोधन में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महान योद्धा, रोटी बेटी चोटी के रक्षक, राष्ट्रभक्त, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी अपने जीवन में कठिनाई के समय में भी मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की भूखा रहना मंजूर किया परंतु पराधीनता स्वीकार नहीं की, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए,क्षत्राणि हेमा सिंह चौहान,

गीतेश चौहान ,रवि शंकर सिंह तोमर, प्रमेश राजपूत दिनेश ठाकुर, विनयसिंह राठौड़ सौरभ राघव, दौलत सिंह परिहार एवं बैतूल नगर तथा विभिन्न ग्रामों से पधारे राजपूत बंधुओ की रही।

जब अपनों ने किया किनारा, तो डॉक्टर ने दिया वृद्धा को सहारा

निःसहाय वृद्धा के लिए उम्मीद की किरण बने डॉ. रूपेश पद्मकर

बैतूल। एक पुरानी हिन्दी फिल्म का गाना जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है यारों जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में पिछले 3 सप्ताह से भर्ती एक निःसहाय वृद्धा पर चरितार्थ हो रहा है। सड़क दुर्घटना में जब वृद्धा के पैर की हड्डी दो जगह से टूट गई तो वृद्धा के इकलौते पुत्र ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कर माँ से किनारा कर लिया। ट्रामा सेंटर में भर्ती वृद्धा एक दिन ईश्वर को याद कर रो रही थी तभी उसका उपचार कर रहे जिला अस्पताल के डॉक्टर रूपेश पद्माकर धरती के भगवान की उपाधि को चरितार्थ करते हुए उसके पास पहुंचे और रोने का कारण पूछा। वृद्धा ने अपनी कहानी बताई तो डॉ. पद्माकर भी हतप्रभ हो गए कि एक बेटा ऐसा कैसे कर सकता है? इसके बाद डॉ. पद्माकर ने वृद्धा का उपचार तो किया ही बल्कि उसे दिखाई नहीं देने पर जिला अस्पताल के ही नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद बर्डे से उसका मोतियाबिंद का ऑपरेशन भी करवा दिया। पिछले 3 सप्ताह से डॉ. पद्माकर माँ की तरह उसकी देखरेख कर रहे है। वृद्धा भी डॉ. पद्माकर को सच्ची दुआएं दे रही है।

एक्सीडेंट में फ्रैक्चर हुआ पैर- जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती आठनेर थाना क्षेत्र के ग्राम आष्टी निवासी 65 वर्षीय वृद्धा समोती बाई पति श्यामराव

काकोडिया ने बताया कि उसके परिवार में एक मात्र पुत्र बबलू काकोडिया है। समोती बाई ने बताया कि पिछले दिनों वह गांव के अन्य मजदूरों के साथ ईट भट्टे में मजदूरी करने महाराष्ट्र के अमरावती गई थी। लगभग एक माह पूर्व अमरावती में उसे एक जीप वाले ने टक्कर मार दी थी। जिसमें उसके पैर में गंभीर चोट लगी थी। साथी मजदूरों ने उसे अमरावती के अस्पताल में भर्ती करवा कर उसके पुत्र बबलू काकोडिया को अमरावती बुलवाया।

जिला अस्पताल में छोड़कर चला गया पुत्र- समोती बाई ने बताया कि अमरावती अस्पताल में उसके पुत्र ने दो-तीन दिन रखा और 14 अप्रैल को अमरावती से जिला अस्पताल में लाकर भर्ती करवा दिया। यहां ट्रामा सेंटर में भर्ती कर पुत्र बबलू काकोडिया उसे अकेला छोड़कर अपने गांव चला गया। पैर में फ्रैक्चर होने के कारण वृद्धा पलंग से हट भी नहीं पा रही थी।

वृद्धा को रोते देख डॉ. पद्माकर ने ली सुध- बेटे द्वारा जिला अस्पताल में छोड़कर जाने पर वृद्धा टायलेट तक नहीं जा पा रही थी। बेटे के जाने के दूसरे दिन जिला अस्पताल में पदस्थ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रूपेश पद्माकर वार्ड में गए तो वृद्धा समोती बाई रो रही थी। डॉ. पद्माकर ने उनसे रोने का कारण पूछा तो वृद्धा ने रोते हुए पुत्र के छोड़कर जाने की बात बताई। डॉ. पद्माकर ने असहाय वृद्धा के पुत्र की भूमिका निभाते हुए सबसे पहले उसका एक्स-रे करवाया जिसमें वृद्धा के दाहिने पैर की जांघ और पंजे में फ्रेक्चर था।

डॉ. पद्माकर ने महिला को प्लास्टर चढ़ाया और वार्ड स्टाफ तथा वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों के परिजनों को वृद्धा की देखरेख करने, भोजन-चाय-नाश्ता की व्यवस्था करने के लिए कहा। इसी वार्ड में अपने पुत्र का उपचार करवा रही श्रीमती सोहरब धुर्वे ने वृद्धा की देखरेख, भोजन की व्यवस्था निभाई।

वृद्धा का करवाया मोतियाबिंद का ऑपरेशन

डॉ. रूपेश पद्माकर प्रतिदिन सुबह-शाम वृद्धा समोती बाई की देखरेख कर रहे थे। जिससे समोती बाई भी डॉ. पद्माकर से काफी घुलमिल गई और उन्हें बताया कि मेरी आंखों में भी दिखाई नहीं देता है। तब डॉ. पद्माकर ने जिला अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद बर्डे को बुलवाकर वृद्धा की आंखें चेक करवाई। वृद्धा की दोनों आंखों में मोतियाबिंद था। डॉ. बर्डे ने जिला अस्पताल में 3 मई को वृद्धा समोती बाई की आंख का ऑपरेशन किया। अब उन्हें दिखाई भी देने लगा है। जिसके लिए वृद्धा डॉ. पद्माकर को दुआएं दे रही है। डॉ. पद्माकर की सहृदयता से पैर का उपचार करवाने आई वृद्धा की आंखों का भी ऑपरेशन हो गया।

इनका कहना-

वृद्धा समोती बाई मेरे वार्ड में भर्ती थी। मैं राउण्ड लेने गया तो वह रो रही थी। जब मैने कारण पूछा तो उन्होंने बेटे द्वारा अकेला छोड़कर जाने की बात बताई जिससे मुझे व्यक्तिगत रूप से काफी पीड़ा हुई कि कोई बेटा जन्म देने वाली माँ के साथ ऐसा व्यवहार कैसे कर सकता है। इसके बाद मैने अपना फर्ज निभाते हुए वृद्धा का उचित उपचार किया वहीं उसकी आंख का ऑपरेशन भी करवा दिया जिससे वृद्धा अब अच्छे से देख सकती है।

-डॉ. रूपेश पद्माकर,
हड्डी रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल बैतूल

वीडी शर्मा ने उज्जैन में किया मतदाता पर्ची का वितरण

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने उज्जैन लोकसभा के उज्जैन उत्तर, उज्जैन दक्षिण एवं घट्टिया विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति की दशा और दिशा बदली है। सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए प्रधानमंत्री जी सभी के जीवन में खुशियां ला रहे हैं। कांग्रेस जिस वर्ग को लेकर तुष्टिकरण की राजनीति करती है, आज वो वर्ग भी यह महसूस करने लगा है कि आजादी के बाद 75 वर्षों में यदि किसी प्रधानमंत्री ने उनके लिए काम किया है, तो नरेंद्र मोदी ही हैं। आज बिना भेदभाव के हर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री आवास मिल रहे हैं, पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज मिल रहा है। इस वर्ग के लोग भी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस इनके बीच भ्रम फैला रही है। इसलिए पार्टी के कार्यकर्ता बिना संकोच के अल्पसंख्यक भाईयों के घर जाएं, उनसे मिलें और उनका विश्वास जीतें। मोदी जी कहते हैं कि हमें सबका विश्वास जीतना है। इसलिए ये चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं, बल्कि हर वर्ग का विश्वास जीतने का चुनाव है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कोई भी कुछ दावा नहीं कर पा रहा था। ऐसे में हमारे गृहमंत्री अमित शाह ने सभी संभागों के कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इसके बाद उन्होंने कहा कि अब मुझे विश्वास है, हम प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत रहे हैं और सचमुच आप लोगों ने विधानसभा चुनाव में इतिहास रच दिया। ये कार्यकर्ताओं की ताकत है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रणनीति बनाता है। हर चुनाव में वही प्रत्याशी होता है, चुनाव लड़ता है और जीतता है।

विश्व शांति हेतु आज से प्रारंभ 24 घंटे का अखंड भक्तामर पाठ

धार। शहर के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार को प्रातः 8:30 बजे दिगंबर जैन युवा संगठन के आह्वान पर विश्व शांति और मानव कल्याण के साथ सुख शांति हेतु 24 घंटे का अखंड भक्तामर का पाठ विद्वान विमल जैन शास्त्री के मार्गदर्शन में होगा. प्रातः शांति धारा मंडल जी में मुख्य कलश स्थापना के साथ जिनवाणी माता भी विराजित करके अखंड दीप स्थापित कर श्री भक्तामर जी का अखंड 24 घंटे का पाठ प्रारंभ किया जाएगा.युवा संगठन के अनुपम जैन,रोहित छाबड़ा, धर्मेंद्र जैन,आशु गंगवाल, राकेश गंगवाल, पुनीत जैन,आशीष बाझल,रुपेश राजेश बड़जात्या, आंशिक गंगवाल, प्रीतमजैन ने बताया कि जैन धर्म में अक्षय तृतीया दान दिवस के रूप में मनाया जाता है .जैन धर्म के आदि प्रवर्तक आदिनाथ भगवान को अक्षय तृतीया के दिन 6 माह बाद प्रथम आहार गन्ने के रस का हुआ था.त्याग धर्म जो करते हैं वह भव पार हो जाते हैं.मीडिया प्रभारी पारस जैन ने बताया कि अखंड पाठ मंदिर जी में प्राचीन प्रतिमा भगवान आदिनाथ जी विराजमान है इसी वेदी जी में शनिवार को प्रातः 8::30 बजे श्री अखंड भक्तामर 24 घंटे के पाठ का समापन होने के बाद भक्तामर महामंडल विधान का पूजन किया जावेगा जिसमें 48 अघ श्री जी को समर्पित किए जाएंगे इस आयोजन को भव्य रूप प्रदान करने के लिए दिगंबर जैन समाज धार महिला मंडल महासमिति आहु पार्श्वनाथ छोटा महावीरजी मानतुंग गिरी समिति भी भाग लेगी.

परशुराम जयंती पर आज होंगे कई कार्यक्रम

धार। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जयंती अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर धारेश्वर मंदिर में कर्मकांडी ब्राह्मणों द्वारा रुद्र महाभिषेक किए जा किया जावेगा जिसमें समाज जन जोड़े से पहुंचकर रुद्राभिषेक में सहभागिता जताएंगे पश्चात फलाहार का आयोजन होगा.

परशुराम मंदिर में होगी महाआरती- वसंत विहार स्थित परशुराम मंदिर में सर्व ब्राह्मण समाज सपरिवार पहुंचकर दोपहर 12 बजे महा आरती होगी, जिसमें सनातन समाज के अन्य लोग भी सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेंगे.

प्रचार वाहन एवं घर-घर कार्ड बाटकर आमंत्रण दिया- इस वर्ष आमंत्रण पत्र घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ब्राह्मण समाज के युवा संगठन एवं महिला संगठन के पदाधिकारी को दी गई जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से समाज के प्रत्येक घर में पहुंचकर परशुराम जयंती पर आयोजित किए जाने वाले समस्त कार्यक्रमों के लिए न्योता दिया साथ ही प्रचार वाहन भी शहर की विभिन्न कॉलोनी में जाकर आमंत्रित कर रहा है ।

शोभायात्रा में सम्मिलित होंगे भगवान परशुराम के वंशज- सर्व ब्राह्मण समाज शाम 5 बजे धारेश्वर प्रांगण में एकत्रित होंगे जहां से झांकी भजन मंडली ऊंट घोड़े नासिक ढोल के साथ एक भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी जो कि शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए लालबाग प्रांगण पहुंचेगी .जहां पर समाजजन के लिए प्रसादी का आयोजन किया गया है कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील विश्वास पांडे , धर्मेंद्र जोशी ,अशोक शास्त्री, ऋषि भार्गव , गोटू शुक्ला, प्रवीण शर्मा प्रेम रावल, अनिल तिवारी, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, पीयूष जोशी ,जितेंद्र पांड्या, वरदान तिवारी, नमन रावल, राजा शर्मा, पुनीत तिवारी, मंगेश शर्मा सहित समाज के युवा मंडल व महिला संगठन ने की है।

भाजपा प्रत्याशी ठाकुर का सरदारपुर विधानसभा के अनेक ग्रामों में सघन जनसंपर्क

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी जनसंपर्क में शामिल हुए

धार। धार- महू लोकसभा क्षेत्र की भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी सावित्री ठाकुर एवं किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी का गुरुवार को जनसंपर्क कार्यक्रम सरदारपुर विधानसभा के राजगढ़ नगर व ग्रामीण मंडल में ग्रामबड़ोदिया से शुरुआत हुई। भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ठाकुर ने 13 मई को होने जा रहे चुनाव के लिए संपर्क से समर्थन मांगकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए अपील की ।जनसंपर्क के दौरान भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया,नविन बानिया जिला पंचायत सदस्य सुनील गामड़ मंडल अध्यक्ष मंडल पदाधिकारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। चुनावी जनसंपर्क ग्राम बिछिया रिंगनोद रतनपुरा गुमानपुरा छड़ावादधुलेट दत्तीगांव अमोदिया राजगढ कंजरोटा सहित ग्रामो में सघन जनसंपर्क किया। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

परशुराम जन्मस्थली जानापाव (महू) में दर्शन, धामनोद में रोड शो और नुक्कड़ सभा बदनावर में, आमसभा को संबोधित करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज लोकसभा क्षेत्र की तीन विधानसभा में

धार। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 10 मई को धार-महू लोकसभा क्षेत्र की तीन विधानसभा में प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ,पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर सहित वरिष्ठ नेता विधानसभा प्रभारी एवं जिला पदाधिकारी मौजूद रहेंगे ।

प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शुक्रवार को तय कार्यक्रम अनुसार सुबह 10 बजे पीथमपुर हेलीपैड पर पहुंचेंगे वहां से 11 बजे भगवान परशुराम जन्मस्थली जानापाव में दर्शन कर आरती में शामिल होंगे । वहां से खरगोन जिले में प्रस्थान कर फिर 2 बजे धरमपुरी विधानसभा के धामनोद में रोड शो में शामिल होंगे दोपहर 3 बजे बदनावर में कृषि उपज मंडी में धार महू लोकसभा भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के पक्ष में आम सभा को संबोधित करेंगे।

भाजपा किसान मोर्चा की लोकसभा चुनाव को लेकर जिला कार्यालय पर बैठक

धार। धार महू लोकसभा क्षेत्र के चुनाव 13 मई को होने वाले हैं गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय पर किसान मोर्चा द्वारा लोकसभा तैयारी को लेकर एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने संबोधित किया । सर्वप्रथम भारत माता, भगवान बलराम के चित्र एवं पितृ पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर विधिवत आरंभ किया गया।

मंच पर उपस्थित प्रदेश के किसान मोर्चा महामंत्री दिलीप पटोदिया, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी,किसान

मोर्चा महामंत्री रतनलाल पाटीदार,पूर्व किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जगदीश जाट आदि लोग मंच पर उपस्थित थे। दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि हर कार्यकर्ताओं को बूथ जीतना है बूथ ज़िताओ, प्रत्याशी जीता कार्यकर्ताओं से संकल्प दिलवाया ,फिर एक बार मोदी सरकार के नारे लगाए। कार्यक्रम का संचालन रवि पाटीदार ने किया स्वागत भाषण रतनलाल पाटीदार ने दिया आभार किसान मोर्चा धार नगर अध्यक्ष कमलेश विजवा ने माना। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा व किसान मोर्चा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रितेश अग्निहोत्री ने दी।

प्राकृतिक स्वीमिंगपूल कही जाती नर्मदा घाट पर निःशुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ...

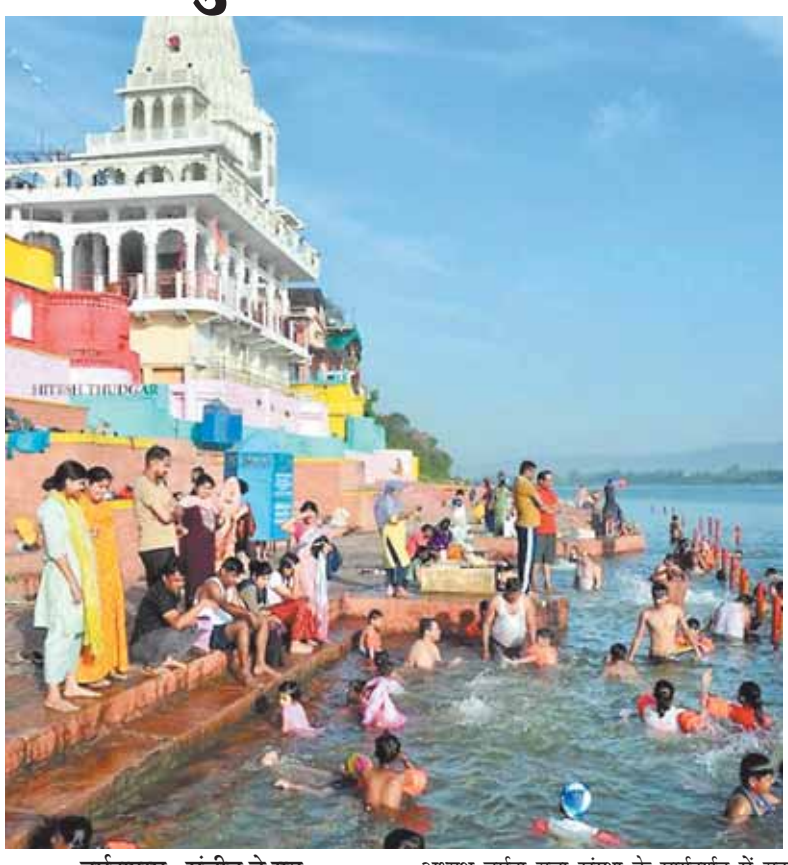

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

तैराकी सीखने और सिखाने के लिए प्राकृतिक स्वीमिंगपूल कही जाती नर्मदा घाट पर 25 वर्षों से जारी ग्रीष्मकालीन निःशुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर 08 अप्रैल से आरंभ हो गया जो 15 जून तक चलेगा । काले महादेव मंदिर के नीचे ठीक नीचे नर्मदा घाट पर मुकुल गुप्ता अध्यक्ष नर्मदा युवा संस्था के मार्गदर्शन में यह शिविर जिला तैराकी/ ट्रायथलान संघ, खेल युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग के सहयोग संचालित किया जा रहा। तैराकी प्रशिक्षण हेतु जिसमें 150 छात्रों का पंजीकरण हो चुका। शिविर में तैराकी प्रशिक्षण लेने वाले और प्रशिक्षण देने वाले सभी कोच जिसमें सुबह 6 से 8 बजे तक तैराकी और ट्रायथलान खेल की बारीकियों का प्रशिक्षण दे रहे। प्रशिक्षण के दौरान संस्था के माध्यम से प्रतिदिन प्रशिक्षणार्थी को यहां चने, दूध, बिस्किट और अन्य पोस्टिक अहार दिए जाते है। पहले होशंगाबाद और अब नर्मदापुरम की शान कहलाता इस तैराकी संघ के खाते में उपलब्धियां ही उपलब्धियां हैं। जिसमें कभी पंडित भवानी शंकर शर्मा का वरदहस्त था। निजी स्वीमिंग पूल बन जाने के कारण इससे तत्कालीन तैराकी संघ अध्यक्ष अकेले रह गये उन पर आरोप है निजी हित साधने के लिए उन्होंने नगर में बनने वाले स्वीकृत सरकारी स्वीमिंगपूल निर्माण योजना प्रभाव से खटाई में डाल दी, पहली दफा कोठी बाजार में निर्मित होने वाले स्वीमिंगपूल के स्थान पर सब्जी बाजार और दूसरी बार आईटीआई क्षेत्र में बनने वाले सरकारी स्वीमिंगपूल के स्थान पर जिला अस्पताल का एक्सटेंशन भवन प्रारंभ कर तैराकों के सपने तोड़ डाले.. बहरहाल प्राकृतिक स्वीमिंगपूल कही जाती नर्मदा की लहरों पर तैराकी और उसकी बारिकियां सीखते इस शिविर से अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार हुए हैं जिन्होंने नगर और प्रदेश का नाम नदी में तैराकी सीखकर गौरवान्वित कर दिखाया, जिसमें हर्षिता तोमर, विश्वजीत कुशवाह, यश बाथरे, मोहन मंसूरियां, गोविंद कहार, रवि केवट, दीक्षा सिलवट, सोनाक्षी शर्मा, भारती कहार, बृजेश केवट, दीपक सैनी, दीपक सोनी अभिनेता मानव कौल, डाक्टर राहुल हर्णे ने प्रमुख हैं। आयोजित दो माह सात दिन चलने वाले इस निशुल्क शिविर में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी आफिसियल उमाशंकर व्यास सहित गोविंद कहार, मनोहर सराठे, संदीप सेन, मुकुल सोनिया, लकी सिलवट, अनुज ओमरे, धीरेन्द्र मिश्रा, श्याम राजदेव, मुकेश अहिरवार आदि प्रशिक्षण और सहयोग देकर नन्हे तैराक तैयार कर रहे है।

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेट्स ले रहे वैपन ट्रेनिंग

फील्ड क्राफ्ट बैटल क्राफ्ट एवं मैप रीडिंग का प्रशिक्षण दिया

देवास। 9 एमपी बटालियन एनसीसी के केडेट्स के लिए दस दिवसीय कैंप के अंतर्गत 22 रायफल तथा मैप रीडिंग स्किल के तहत कम्पास का उपयोग करना सिखाया गया। कैडेट्स ने टारगेट पर निशाना लगाने का अभ्यास भी किया। सरस्वती विद्या मन्दिर सीबीएसई विद्यालय, देवास के प्रांगण में चल रहे शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्र एवं छात्रा केडेटों को एन.सी.सी. के अधीन संचालित होने वाली नियमित गतिविधियों का आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना है। कमान अधिकारी कर्नल मोहन तिवारी ने बताया कि वेपन ट्रेनिंग के अंतर्गत एनसीसी में उपयोग आने वाले 22 रायफल के संचालन एवं टारगेट पर निशाना लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। जंगलों में और सुनसान इलाकों में जवानों को मैप रीडिंग की जानकारी होनी चाहिए, इसी उद्देश्य से केडेट्टों को मैप रीडिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया,जिसमें नक्शे की सहायता से उत्तर दिशा ज्ञात करना तथा प्रिजमैटिक कम्पास की सहायता से स्वयं के स्थान की पहचान करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ये प्रशिक्षण सूबेदार मेजर ब्रजेश कुमार, सूबेदार सजी एस के अंतर्गत प्रदान किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल वरुण भारतीय ने भी कैडेट्स को सेना मे कमिशन रेंक की परीक्षा हेतु आवश्यक विषय से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी ताकि कैडेट्स अधिक से अधिक सेना में उच्च पदों पर भर्ती हो सके। इस दस दिवसीय कैंप में 628 कैडेट्स शामिल है एव एन.सी.सी. अधिकारी क्रमशः लेफ्टिनेंट कपिल पटेल,फर्स्ट ऑफिसर दामोदर मुकाती ,केयर टेकर नीरजा सिंह उपस्थित है।

प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान देवास द्वारा 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों के प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया

देवास। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट, प्रबंधन के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए जाना जाता है। इस विरासत को आगे बढ़ते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कॉलेज परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 9 मई को किया गया। जंहा संपूर्ण जिले के अग्रणी शालाओ के प्रतिभाशाली विद्यार्थी एकत्रित हुए । समारोह में

कक्षा 12वीं में उच्च प्रतिशत से उत्तीर्ण होने वाले जिले के 180 से ज्यादा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. योगेन्द्र सिंह राजावत, गवर्निंग बॉडी के संकाय सदस्य द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। इस उपलक्ष्य में कर्नल डॉ. वीरेंद्र मिश्रा सेना के सेवानिवृत्त कर्नल ने अपने 33 वर्ष के अनुभव छात्रों से सांझा किये, अपने उद्बोधन में बताया कि मुश्किलों से कैसे लड़ना चाहिए और हर परिस्थिती का सामना हिम्मत से करना चाहिए एवं विद्यार्थियों को उनके भविष्य की संभावनाओं के लिए प्रेरित किया। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. (डॉ). राजेंद्र कुमार जैन ने छात्रों को संबोधित किया एवं लक्ष्य की प्राप्ति के गुण सांझा करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। यह जानकारी कार्यक्रम समन्वयक श्री विकास शर्मा सहायक प्राध्यापक ने प्रदान की।

जहां यज्ञ हवन होता है वह भूमि पवित्र हो जाती है : श्रीकृष्णगोपाल दास महाराज

मां चामुंडा सेवा समिति ने संत महात्माओं व आयोजक मंडल का किया अभिनंदन

देवास। जहां यज्ञ हवन होता है, वह भूमि पवित्र हो जाती है। वह भूमि प्रेत आत्माओं से मुक्त हो जाती है। श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का दिव्य आयोजन जिस भव्यता के साथ संपन्न हुआ है और देवास वासियों ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा, यज्ञ नारायण की सेवा करके यज्ञ में यजमान बनकर जो पुण्य लाभ कमाया है वह अतुलनीय है। वास्तव में यज्ञ बहुत ही कठिन परिश्रम से संपन्न होते हैं। आयोजक मंडल के वासुदेव परमार, राहुल हारोडे एवं आयोजन समिति ने समर्पण भाव से इस पुण्यमय कार्य को संपन्न किया वह साधुवाद के पात्र हैं। सच्चा आशीर्वाद सिर पर हाथ रखवाने से नहीं मिलता। किसी का भला करने पर हृदय से जो आशीर्वाद प्राप्त होता है। वही सच्चा आशीर्वाद होता है। यह विचार साकेतवासी गरुड़दास जी महाराज ध्यान योग साधना एवं सेवा न्यास पंचमुखी धाम आगरोद की प्रेरणा मे मालीपुरा मैं श्री कृष्ण गोपालदास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के

दौरान मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा संत महात्माओ के सम्मान अवसर पर व्यक्त किए। मां चामुंडा सेवा समिति के रामेश्वर जलोदिया के नेतृत्व में श्री कृष्ण गोपाल दास जी महाराज, काशी से पधारे रघुनाथ दास जी, विजय दास जी, चित्रकूट के रवी लोचन दास जी, भुवनेश्वर दास जी, पंचमुखी धाम से स्वामी दामोदरानंदजी, सुखराम दास जी सहित यज्ञमण्डप में उपस्थित संत महात्माओं एवं आयोजक मंडल के वासुदेव परमार, राहुल हरोडे का मां की चुनरी ओढ़ाकर व पगड़ी पहनाकर पुष्पमालाओं से आत्मीय अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मां चामुंडा सेवा समिति के समाजसेवी रामेश्वर जलोदिया, नारायण व्यास, नरेंद्र मिश्रा, बीड़ी रावल, दिनेश सांवलिया, इंदर सिंह गौड़, सत्यनारायण पांचाल, कैलाश परमार, उम्मेदसिंह राठौड़, प्रदीप लाठी, राधेश्याम बोडाना, राधेश्याम पडियार सहित धर्म प्रेमी उपस्थित थे यह जानकारी रामेश्वर जलोदिया ने दी।

राइट क्लिक

नोटा वोट ले सकता है, लेकिन जीत नहीं सकता..!

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

इंदौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा आखिरी क्षण में नाम वापसी और सूरत लोकसभा सीट पर भाजपा को छोड़ शेष सभी उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लेने के बाद मैदान में अकेले बचे 'नोटा' पर चर्चा तेज हो गई है। इंदौर और सूरत में फर्क यह है कि इंदौर में कुछ निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन वापसी से इंकार कर दिया तो सूरत में नोटा के रहते भाजपा प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित कर दिया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या नोटा को सर्वाधिक वोट मिल सकने की स्थिति में विजेता कौन होगा? दूसरे, क्या नोटा को भी पूर्ण प्रत्याशी माना जाना चाहिए? तीसरे, अगर 'राइट टू रिजेक्ट' के तौर पर चुनाव में अगर नोटा की कोई वास्तविक अहमियत नहीं है तो ईवीएम में इसके प्रावधान का औचित्य क्या है?

हालांकि इंदौर और सूरत लोकसभा सीटों के मामले में थोड़ा फर्क है। इंदौर में सूरत पार्ट-1 तो हुआ, लेकिन पार्ट-2 नाकाम रहा। सूरत में चूंकि भाजपा को छोड़ सभी प्रत्याशियों ने किसी अदृश्य 'डील' के तहत नाम वापस ले लिए थे, इसलिए निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें निर्विरोध निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र मतदान के पहले ही सौंप दिया। जबकि इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन किसी रहस्यमय अंत:प्रेरणा के चलते भाजपा नेताओं के साथ जाकर न केवल चुनाव मैदान से अपना नाम वापस लिया, बल्कि लौटकर खुद भी भाजपा में शामिल हो गए। इसी दौरान इंदौर के चुनाव मैदान में शामिल 14 निर्दलीय उम्मीदवार तमाम दबाव के बावजूद डटे हुए हैं। यानी ईवीएम में भाजपा प्रत्याशी के साथ 14 निर्दलीय व नोटा का नाम रहेगा।

इंदौर के इस अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम से भड़की कांग्रेस ने अब मतदाताओं से अपील की है कि वो उनके अधिकृत प्रत्याशी के अभाव में नोटा को वोट दें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तो अपील की है कि मतदाता ज्यादा से ज्यादा नोटा को वोट देकर क्रांतिकारी रिकॉर्ड बनाएं। दूसरी तरफ इस जबरिया तोड़ फोड़ से खुद भाजपा में भी नाराजी है, जिसे इंदौर की पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने यह बयान देकर उजागर किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं के गले यह बात उतर नहीं रही है कि इंदौर की जो लोकसभा सीट भाजपा के लिए जीती जिताई थी, उस पर कांग्रेस प्रत्याशी को रणक्षेत्र से हटवाकर भाजपा की बारात में शामिल करने का क्या औचित्य है? क्योंकि कांग्रेस के अक्षय कांति बम इतने दमदार भी नहीं थे कि कांग्रेस की जीत का विस्फोट कर पाते। सुमित्राजी के अनुसार ऐसे में भाजपाई ही लोगों से नोटा के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। इस बयान को सही मानें तो इंदौर में कांग्रेस और भाजपा दोनों अपने अपने कारणों से मतदाता से प्रत्याशी की जगह नोटा को वोट देने की अपील कर रहे हैं। ऐसे में संभव है कि मतदाता उदासीन होकर वोट देने से ही परहेज करे या फिर नोटा को वोट करे। एक अर्थ में भाजपा की राजनीतिक जोड़ तोड़ ने मतदाता से चयन का अधिकार ही छीन लिया है। अगर सचमुच इंदौर के वोटरों ने बड़ी संख्या में नोटा का बटन दबाया (जिसकी संभावना कम है) तो क्या चुनाव में नोटा जीतेगा? वर्तमान नियमों के तहत यह संभव नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग का नियम कहता है कि अगर अपवादस्वरूप किसी चुनाव में नोटा को सर्वाधिक वोट मिलते हैं तो चुनाव में प्राप्त वोटों की संख्या के हिसाब से नंबर दो पर रहा प्रत्याशी ही विजयी घोषित होगा। इसके अनुसार भाजपा के शंकर लालवानी ही दूसरी बार विजयी घोषित हो सकते हैं, बशर्ते वो सभी निर्दलीयों से ज्यादा वोट हासिल कर लें। हालांकि यह जीत जश्न मनाने वाली नहीं होगी। कहने का आशय यही है कि नोटा सर्वाधिक वोट तो ले सकता है, लेकिन चुनाव नहीं जीत सकता। नोटा 'राइट टू रिजेक्ट' (नकारने के अधिकार) के तहत मतदाता के पास एक विकल्प है, जो किसी भी प्रत्याशी को वोट देना न चाहता हो, वो नोटा को वोट दे सकता है। लेकिन नोटा भौतिक प्रत्याशी नहीं है। चुनाव प्रत्याशी कोई हाड़ मांस का व्यक्ति ही हो सकता है। ऐसे में नोटा की मौजूदगी किसी को भी वोट न देने के अधिकार के तहत एक आभासी विकल्प के रूप में है।

यहां बड़ा मुद्दा लोकतंत्र में मतदाता किसी को भी चुनने अथवा न चुनने के अधिकार का है। लोकतंत्र की विशेषता यही है कि इसमें मतदान के रूप में हर नागरिक की राजनीतिक सहभागिता होती है। यह एक बड़ा महत्वपूर्ण अधिकार है, जो हमे संविधान ने दिया है। यह अधिकार इस सकारात्मक भाव से जन्मा है कि देश की सत्ता का निर्धारण सामान्य नागरिक भी बराबरी से करे। यानी यह अधिकार चुनने के लिए है, खारिज करने के लिए नहीं। बावजूद इसके अगर कोई वोटर चुनाव मैदान में मौजूद सभी प्रत्याशियों को अयोग्य अथवा अप्रिय मानकर नकारना चाहे तो उसके पास दो ही विकल्प बचते हैं। एक तो वह वोट करने ही न जाए। या फिर जाए तो ईवीएम/बैलेट पेपर में कोई ऐसा प्रावधान हो कि वह किसी को वोट नहीं देना चाहता। अंग्रेजी के नोटा संक्षिप्त रूप का अर्थ ही है 'नन ऑफ द अबोव' यानी उपरोक्त में कोई भी नहीं। इसकी शुरूआत 1976 में अमेरिका के कैलीफोर्निया राज्य की सांता बारबरा काउंटी की म्यूनिसिपल इंफर्मेशन काउंसिल में लागू करने से हुई थी। बाद में भारत में पीयूसीएल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर यहां भी नोटा लागू करने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्वीकारते हुए आदेश दिया। जिसके बाद चुनाव आयोग ने पहली बार 2013 के विधानसभा चुनावों में चार राज्यों, जिनमें मध्यप्रदेश भी शामिल था, उसे लागू किया। बाद में इसे सभी चुनावों की ईवीएम में शामिल किया गया।

अब विवाद इस बात को लेकर है कि क्या नोटा को भी प्रत्याशी माना जाना चाहिए है या नहीं। अभी तक चुनाव आयोग नोटा को काल्पनिक प्रत्याशी मानता आया है, इसलिए उसका प्रतीकात्मक महत्व ही है। नोटा में पड़े वोटों से नतीजों पर असर नहीं पड़ता। बहुत से लोगों का मानना है कि नोटा का विचार ही मूलतः नकारात्मक अथवा किसी को चिढ़ाने की सोच से उपजा है, ठीक वैसे ही कि भारत में कुछ चुनावों मतदाता ने किसी स्थापित राजनेता अथवा नए चेहरे के बजाए किन्नर को चुना। लेकिन समाज का एक वर्ग नोटा को भी 'राइट टू रिजेक्ट' के तहत पूर्ण प्रत्याशी मनवाने का आग्रही है। जाने माने मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा ने 'सूरत कांड' के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है कि नोटा को भी वास्तविक प्रत्याशी माना जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट क्या निर्णय देता है, देखने की बात है। यदि सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिकाकर्ता की बात मान ली तो सूरत जैसे मामलों में भी चुनाव प्रत्याशी और नोटा के बीच होगा, भले ही एक को छोड़ बाकी प्रत्याशी नाम वापस ले लें।

जहां तक मतदाताओं में नोटा की लोकप्रियता की बात है तो शुरू में इसके प्रति रूझान थोड़ा ज्यादा दिखाई पड़ा था। मध्यप्रदेश के 2018 के विधानसभा चुनाव में दो प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस के बीच वोटों का अंतर 1 प्रतिशत से भी कम था। इससे ज्यादा वोट नोटा को मिले थे। अगर ये वोट किसी एक पार्टी के पक्ष में जाते तो उसे पूर्ण बहुमत मिल सकता था। 2014 के लोकसभा चुनाव में जब पहली बार नोटा का प्रावधान किया गया था, उस वक्त नोटा में कुल वोटों का 1.08 फीसदी वोट पड़े थे। लेकिन 2019 में पहले की तुलना में ज्यादा वोटिंग के बावजूद नोटा की हिस्सेदारी घटकर 1.06 फीसदी रह गई। इस लोस चुनाव में कितने लोग नोटा को पसंद करते हैं, यह देखने की बात है। अगर ये शेयर ज्यादा बढ़ा तो राजनीतिक दलों के लिए खतरे की घंटी होगा।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

'धार्मिक आधार पर आरक्षण' के विरोध से चार सौ पार की चुनौती

देश की मौजूदा राजनीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अकेले ऐसे नेता हैं,जिनकी बात का असर वोटर पर होता दिखता है। उनकी लोकप्रियता में कोई परिवर्तन पिछले दस साल की सरकार में देखने को नहीं मिला है। न कोई दाग उन पर है। इसकी बड़ी वजह यह हो सकती है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और उसके नेता पिछले दस साल में एक भी ऐसा मुद्दा खड़ा नहीं कर पाए जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि नायक से खलनायक की हो जाए। लोकसभा चुनाव के लिए अभी तीन चरणों की कुल 282 सीटों के लिए वोट डाले जा चुके हैं। अभी चार चरणों का मतदान बाकी है। चौथे चरण में देश की कुल 96 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। तीन चरणों के मतदान तक संविधान संशोधन का ही एक मुद्दा हावी होता हुआ दिखाई दे रहा है। इसमें धार्मिक आधार पर आरक्षण का मुद्दा संवेदनशील है। देश में लोकसभा की कुल 543 सीटें हैं। इनमें अनुसूचित जाति वर्ग के लिए कुल आरक्षित सीट 84 हैं। जबकि आदिवासी वर्ग के लिए कुल आरक्षित सीट 47 हैं। कांग्रेस के आरक्षण समाप्त करने के आरोप के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बचाव के बजाए हमले की रणनीति को अपनाते हुए अपने रवैये को लगातार आक्रामक बनाकर रखा हुआ है। प्रधानमंत्री की हमलावर रणनीति के कारण ही यह सवाल भी वर्ग विशेष के बीच चर्चा का बिंदु है कि क्या कांग्रेस मौजूदा आरक्षण की व्यवस्था में बदलाव कर मुस्लिम अल्पसंख्यक को आरक्षण दे सकती है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी रैलियों में लगातार हाथ में संविधान लेकर इस बात को कह रहे हैं कि भाजपा को चार सौ सीट संविधान बदलने के लिए चाहिए। कांग्रेस के जातिगत जनगणना के स्टैंड का जिक्र भी राहुल गांधी कर रहे हैं।

कांग्रेस का मुस्लिम प्रेम जगजाहिर है

आजादी के बाद देश में अनुसूचित, जाति, जनजाति तथा मुस्लिम वर्ग कांग्रेस का प्रतिबद्ध वोटर रहा है। जबकि जनसंघ से लेकर भाजपा तक की पहचान ब्राह्मण-बनिया की पार्टी के तौर पर होती रही है। अस्सी के दशक के बाद देश की राजनीति में जो बदलाव आया उसमें कांग्रेस के दो बड़े वोट बैंक दलित और अल्पसंख्यक विभाजित हो गए। हिंदी पट्टी के अधिकांश राज्यों में दलित वोट मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ चला गया और मुस्लिम वोट को कांग्रेस से निकली क्षेत्रीय पार्टियों ने अपनी झोली में डाल लिया। इस वोट बैंक के खिसक जाने के बाद से ही कांग्रेस लगातार कमजोर हो रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में राजनीति पूरी तरह से धर्म पर आकर टिक गई है। भाजपा ने धार्मिक आरक्षण का विरोध कर अनुसूचित जाति और जनजाति के वोट को अपने पक्ष में करने की कोशिश की है। देश में लोकसभा की कुल 131 आरक्षित सीटों का सरकार बनाने में बड़ा योगदान होता है। जो दल या गठबंधन ज्यादा आरक्षित सीटें जीतता है,वह सरकार बना लेता है। इस वर्ग में भी सबसे ज्यादा डर आरक्षण को लेकर है। इस वर्ग के बीच यह डर है कि भाजपा उनका आरक्षण खत्म कर देगी। जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर प्रधानमंत्री तक इस बारे में पार्टी का रुख साफ कर चुके हैं। इस वर्ग में भरोसा स्थापित करने के लिए भी भाजपा ने कांग्रेस को आरक्षण के बहाने धर्म की राजनीति में उलझा दिया है। इससे मुद्दा तो प्रत्यक्ष तौर पर 'आरक्षण और संविधान' दिख रहा है। लेकिन, हिंदी पट्टी के वोटर में यह 'हिन्दू बनाम मुसलमान' में बदलते दिखाई दे रहा है। इस आग में 'वोट जिहाद' ने घी का काम किया है।

क्या है 'वोट जिहाद', किसे है फायदा?

देश का लगभग हर व्यक्ति जिहाद के अर्थ को जानता है। 'लव जिहाद और लैंड जिहाद' के जरिए इस पर काफी चर्चा भी हो चुकी है। लव जिहाद को लेकर देश के बहुसंख्यक समाज में यह धारणा मजबूत हो चुकी है कि मुस्लिम इसका उपयोग हिंदू लड़कियों से प्रेम विवाह कर धर्म परिवर्तन कराने के लिए कर रहे हैं। इस तरह के मामले सामने आने के बाद देश के लगभग हर राज्य में तनाव भी फैला और राजनीति भी हुई। इस चुनाव में बात 'वोट जिहाद' की हो रही है। 'वोट जिहाद' शब्द का प्रयोग अल्पसंख्यक वोटर को 'एकजुट' करने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम ने पहली बार वोट जिहाद शब्द का प्रयोग फर्रूखाबाद की एक सभा में किया। मारिया आलम समाजवादी पार्टी की नेता भी हैं। मारिया आलम ने मुसलमानों से बीजेपी के खिलाफ एकजुट होकर वोट करने की अपील की थी। मारिया आलम ने ये भी अपील की थी कि जो मुसलमान बीजेपी का समर्थन या वोट करेगा, उनका बहिष्कार किया जाए। इसके बाद महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि मस्जिदों और जलसों में मुसलमानों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर वोट करने के लिए कहा जा रहा है। फडणवीस ने कहा कि चुनाव से पहले मजहब के नाम पर जिस तरह से वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है, ये चुनाव आयोग को देखना चाहिए। महाराष्ट्र में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और कुल जमाती संगठन ने वोटिंग से पहले महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराने की अपील की है। बोर्ड ने साफ साफ ऐलान किया कि मुसलमान पार्टी न देखें, उम्मीदवार न देखें, उस कैंडिडेट को वोट दें जो भाजपा के उम्मीदवारों को हराने की स्थिति में हो। देश में यदि मुस्लिम वोटों का विभाजन रुकता है तो भाजपा को कई सीटों का नुकसान हो सकता है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में,यहां 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी 17 प्रतिशत है। बीस से पच्चीस प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाली लगभग चौबीस सीटें हैं। इन सीटों पर भाजपा को लाभ सपा-बसपा और कांग्रेस के बीच मुस्लिम वोटों के विभाजन से मिलता रहा है। देश में कुल 65 ऐसी लोकसभा सीट हैं। जहां मुस्लिम आबादी पैंतीस प्रतिशत तक है। उत्तर प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल में मुस्लिम प्रभाव वाली सीटें अधिक हैं। संदेशखाली के जरिए बंगाल में भाजपा अपना वोट बैंक एकजुट करने में लगी हुई है। पश्चिम बंगाल में लगभग तेरह सीट पर मुस्लिम वोटर प्रभावी है। केरल की आठ और असम की सात लोकसभा सीट पर मुस्लिम वोट निर्णायक माने जाते रहे हैं।

'मोदी मित्र' की रणनीति में बदलाव

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के वोट डाले जाने के बाद ही भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी रणनीति में बड़ा बदलाव किया। यह बदलाव मुस्लिम वोटर को लेकर किया गया। पार्टी ने अल्पसंख्यकों के प्रति अपने नरम रवैये को छोड़ते हुए अपने परंपरागत विरोधी रवैये को खुलकर जाहिर किया। रणनीति में बदलाव के कारण ही धर्म के आधार पर आरक्षण के विरोध को आगे रखा गया है। इससे पहले भाजपा ने सौ से ज्यादा ऐसी लोकसभा सीटों की सूची तैयार की थी, जहां मुस्लिम वोटर का प्रभाव माना जाता है। इन सीटों पर लोकसभा प्रभारी के साथ-साथ विधानसभा अनुसार विधानसभा प्रभारी, विधानसभा सह प्रभारी और 'मोदी मित्रों' की तैनाती की गई थी। मुस्लिम महिलाओं के बीच एक नारा दिया गया था 'ना दूरी है ना खाई है, मोदी हमारा भाई है'।

वोट जिहाद बनाम राम राज्य से बचेगा राज

मध्यप्रदेश में चौथे चरण में लोकसभा की कुल आठ सीटों के मतदान तेरह मई को होगा। मध्यप्रदेश में यह अंतिम दौर का मतदान है। जिन सीटों पर वोट डाले जाएंगे वे इंदौर,खंडवा, खरगोन,रतलाम-छाबुआ,उज्जैन, शाजापुर एवं धार हैं। ये सभी सीटें निमाड-मालवा की सीटें हैं। यह क्षेत्र भाजपा का मजबूत इलाका माना जाता है। यहां धार्मिक आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण बड़ी तेजी से होता है। धार और रतलाम-झाबुआ की लोकसभा सीट आदिवासी के लिए आरक्षित है। निमाड़-मालवा की लगभग सभी सीटों पर आदिवासी वोट फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को खरगोन और धार में चुनावी सभा की थी। उन्होंने यहां वोट जिहाद का जिक्र भी अपनी पकड़ बरकरार रखने के लिहाज से ही किया। खरगोन में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि उसकी मंशा बहुत खतरनाक है और वह मोदी के खिलाफ वोट जिहाद का आह्वान करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच से जनता को कहा कि देश का इतिहास अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। लोगों को तय करना होगा कि भारत वोट जिहाद से चलेगा या राम राज्य से। जाहिर है कि मध्यप्रदेश में आदिवासी सीटों पर भाजपा को राम अस्त्र का उपयोग गढ को बचाने के लिए करना पड़ रहा है।

बिहार से महाराष्ट्र तक मुस्लिम आरक्षण का समर्थन

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव का एक बयान मुस्लिम आरक्षण को लेकर खूब चर्चा में है। लालू यादव ने तीसरे चरण की वोटिंग के बीच कहा कि मुसलमानों को पूर्ण आरक्षण दिया जाना चाहिए। लालू यादव के इस बयान के बाद भाजपा को अपना एजेंडा सेट करने में आसानी हो गई। पूरे देश में भाजपा नेताओं ने एक सुर में कहा कि यदि इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग से आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया जाएगा। जैसे ही लालू यादव को अपनी गलती का अहसास हुआ तो वे पलट गए और कहने लगे कि धर्म के आधार पर आरक्षण हो ही नहीं सकता सिर्फ सामाजिक आधार पर हो सकता है। महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद पवार) के नेता जितेंद्र आह्वाड़ ने इस मामले पर कहा है कि अगर अपने समाज के लिए कोई हिंदू मुस्लिम कोई पंडित कोई बौद्ध भिक्षु वोट माँगे तो उसमें ग़लत क्या है? वहीं, सपा नेता अबू आजमी ने कहा है कि अगर मुस्लिम समाज के कुछ लोग इकट्ठा होकर चर्चा कर रहे हैं और फैसला ले रहे हैं कि किसने उनके साथ न्याय किया तो इसमें ग़लत कुछ नहीं है। महाराष्ट्र में भी मुसलमानों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने का मामला गर्माया हुआ है। उप मुख्यमंत्री अजित पवार की राय भी आरक्षण के पक्ष में रही है। देश में अभी अनुसूचित जाति को पंद्रह, जनजाति को साढ़े सात तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को 25 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। 1992 में आए इंदिरा साहनी प्रकरण में यही सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई आरक्षण की अधिकतम सीमा है। इसमें कोई भी बदलाव संविधान संशोधन के बिना नहीं हो सकता।

मुस्लिम आरक्षण क्या चुनावी मुद्दा है?

पिछले साल जब कर्नाटक और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव हुए थे, तब भी मुस्लिम आरक्षण मुद्दा बना था। तब एक रैली में अमित शाह ने कहा था कि मुस्लिमों को आरक्षण संविधान के खिलाफ है। पिछड़ा वर्ग के लिए संविधान के अनुच्छेद 16(4) में व्यवस्था की गई है। अनुच्छेद के मुताबिक, अगर सरकार को लगता है कि नागरिकों का कोई वर्ग पिछड़ा है तो नौकरियों में उनके सही प्रतिनिधित्व के लिए आरक्षण दे सकती है। केंद्र और राज्य स्तर पर मुस्लिमों की कई जातियों को ओबीसी आरक्षण दिया जाता है। अभी मुस्लिमों की 36 जातियों को केंद्रीय स्तर पर आरक्षण सूची में रखा गया है। जिन परिवारों की सालाना कमाई आठ लाख रुपये से ज्यादा है, उन्हें क्रीमी लेयर माना जाता है और उन्हें आरक्षण नहीं मिलता। भले ही फिर वो जाति पिछड़ा वर्ग की सूची में ही क्यों न हो। केंद्र सरकार के पास ऐसी कई रिपोर्ट लंबित हैं जिनमें कहा गया है कि मुसलमान सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। 2006 में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में -कहा गया था कि मुसलमान समुदाय हिंदू ओबीसी से पिछड़ा हुआ है। सच्चर कमेटी ने कहा था कि हिंदू पिछड़ों और दलितों को तो आरक्षण का लाभ मिल रहा है, लेकिन मुस्लिमों को नहीं। जबकि, इससे पहले मंडल आयोग ने भी 82 सामाजिक वर्गों की पहचान की थी, जिसे उसने पिछड़ा मुसलमान माना था। वर्ष 2009 में रिटायर्ड जस्टिस रंगनाथ मिश्रा की कमेटी ने भी मुस्लिम आरक्षण की वकालत की थी। कमेटी ने अल्पसंख्यकों को 15 फीसदी आरक्षण देने का सुझाव दिया था। इनमें से मुसलमानों के लिए 10 फीसदी और बाकी अल्पसंख्यकों के लिए 5 फीसदी आरक्षण की सिफारिश की गई थी।

कई राज्यों में आरक्षण का लाभ ले रहे मुसलमान?

धर्म के आधार पर मुस्लिमों को आरक्षण दिए जाने का विरोध प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा में किया तो ऐसे कई राज्यों के नाम चर्चा में आ गए जहां मुसलमानों को सरकारी नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। केरल में ओबीसी को तीस प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। इसके अंदर ही कुछ कोटा मुस्लिमो के लिए भी है। यहां मुसलमानों को नौकरियों में 8 प्रतिशत और हायर एजुकेशन में 10 प्रतिशत कोटा मिलता है। तमिलनाडु में भी मुस्लिमों को आरक्षण मिलता है। यहां पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। इस कोटे में मुसलमानों की 95 प्रतिशत जातियां शामिल होती हैं। इसी तरह बिहार में मुसलमानों की कुछ जातियों को 'अति पिछड़ा वर्ग' में शामिल किया गया है। अति पिछड़ा वर्ग में शामिल जातियों और उपजातियों को 18 फीसदी आरक्षण दिया जाता है। पिछले साल हुए बिहार के जातिगत सर्वे में 73 फीसदी मुसलमानों को 'पिछड़ा वर्ग' माना गया था। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही यह निर्णय लिया था। नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन छोड़कर अब भाजपा के साथ हैं। इस कारण भाजपा बिहार का जिक्र नहीं कर रही है। जिक्र सिर्फ कर्नाटक का हो रहा है। कर्नाटक में सभी मुसलमानों को 4 फीसदी आरक्षण मिलता है। कर्नाटक में ओबीसी को 32 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। इसकी कैटेगरी 2ए में मुस्लिमों की सभी जातियों को शामिल किया गया है। इससे इन्हें 4 प्रतिशत आरक्षण मिल गया है। आंध्र प्रदेश में भी मुसलमानों को आरक्षण देने की कोशिश की गई है, लेकिन अदालत ने इसे रोक दिया। आंध्र प्रदेश में मुसलमानों के आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। इस पर अभी फैसला होना बाकी है। यद्यपि आंध्र प्रदेश में एनडीए की सहयोगी टीडीपी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मुसलमानों को 4 फीसदी आरक्षण देने का वादा किया है।

धर्मांतरण से जुड़ा है आरक्षण

आरक्षण का एक सिरा धर्मांतरण से जुड़ा हुआ ठै। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहयोगी संगठन पिछले कई साल से यह मुहिम चलाए हुए हैं कि जो भी अनुसूचित जाति या जनजाति का व्यक्ति धर्मांतरण कर मुस्लिम या ईसाई धर्म अपना लेता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। क्या धर्म परिवर्तन करने पर आरक्षण का लाभ समाप्त किया जा सकता है? इसे लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। याचिका में मांग की गई है कि धर्म बदलकर मुस्लिम या ईसाई बनने वाले अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों को भी आरक्षण समेत दूसरे लाभ दिए जाएं। इन याचिकाओं में संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 को भी चुनौती दी गई है। 1950 का ये आदेश कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के दलितों के अलावा दूसरे धर्मों के लोगों को अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं दिया जा सकता। पिछले साल अप्रैल में केंद्र सरकार ने धर्म बदलकर मुस्लिम या क्रिश्चियन बन चुके दलितों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग वाली याचिकाओं का विरोध किया था। केंद्र सरकार ने 1950 के आदेश को चुनौती देने दिए जाने का भी विरोध किया था। केंद्र ने कहा था कि ये आदेश असंवैधानिक नहीं है और इससे ईसाई और इस्लाम धर्म को इसलिए बाहर रखा गया था क्योंकि इन दोनों धर्मों में 'छुआछूत' नहीं है।